संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 232
पृष्ठ 8
मंगलवार
13 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

**विविध-** बच्चे की दूध की बोतल की सफाई...

**विचार-** अब तकनीक बदलने लगी है युद्ध...

**खेल-** कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास...

## हर पीड़ित की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : योगी

### सीएम योगी ने जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं

**● यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए**

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद सोमवार सुबह जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और इन समस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर पीड़ित की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है लिहाजा हर समस्या को संवेदनशीलता से देखा जाएगा तथा जरूरी कदम उठाए जाएं। आज सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने कहा कि किसी को भी घबराने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरितए गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। इस दौरान आवास की गुहार लेकर तथा इलाज में सहायता की मांग को लेकर पहुंचे लोगों को उन्होंने आश्वस्त किया और अधिकारियों से कहा कि आवास से वंचित लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहतआवास उपलब्ध कराया जाए एवं जरूरतमंदों के इलाज में धन की बाधा न आने दी जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद मांगने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट कीप्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने पक्के आवास की समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर योगी ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में किन्हीं कारणों से जो भी पात्र लोग वंचित रह गए हैं, उन्हें योजना के दायरे में लाकर पक्का आवास उपलब्ध कराया जाए।

## पीएम मोदी की अहम बैठक

**● रक्षा मंत्री, एनएसए डोभाल, सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुख मौजूद**

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और सेना, वायुसेना और नौसेना प्रमुखों के साथ की जा रही उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए हैं। यह बैठक संघर्ष विराम पर भारत-पाकिस्तान डीजीएमओ स्तर की वार्ता से ठीक एक घंटे पहले हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आवास पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीए अनिल चौहान और सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों के साथ अहम बैठक कर रहे हैं। संघर्ष विराम के भविष्य पर फैसला करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ वार्ता दोपहर में होगी। पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने का पीएम मोदी का वादा भारतीय सशस्त्र बलों ने पूरा किया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम ने वादा किया था कि हम 26 लोगों की मौत का बदला लेंगे। पात्रा ने कहा कि पीएम ने कहा था कि बदला दुश्मन की कल्पना से परे होगा और ऐसा ही हुआ। उन्होंने यह भी कहा था कि "मिट्टी में मिलाएंगे" और "घुस के मारेंगे", हमने वही किया। पीएम मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी ने सुनिश्चित किया कि आतंकी स्थल मलबे में तब्दील हो जाएं...22 अप्रैल से 7 मई तक देश में तनाव का माहौल था; तत्काल कार्रवाई की मांग थी। बीजेपी एमएमपी ने कहा कि अतीत में सर्जिकल स्ट्राइक के बावजूद पाकिस्तान यह अनुमान नहीं लगा पाया कि उस पर कब हमला होगा। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आज भाजपा, उसके कार्यकर्ता और देश के नागरिक सुरक्षा बलों को धन्यवाद देते हैं, जिनकी वजह से ऑपरेशन सिंदूर सफल हो पाया है।

## आप कैसे कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा? : भूपेश बघेल

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अब राजनीति शुरू हो गई है। इन सबके बीच ऑपरेशन सिन्दूर पर छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल का एक ऐसा बयान आया है जिसकों सियासत तेज हो सकती है।

भूपेश बघेल ने कहा कि 26 लोगों की जान चली गई, क्या वो 4 या 5 आतंकवादी पकड़े गए? अगर वो पकड़े नहीं गए, तो आप कैसे कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा? इस चूक के लिए कौन जिम्मेदार है? कांग्रेस नेता ने कहा कि लोग आपके (सरकार के) आश्वासन पर कश्मीर गए थे कि सब कुछ सामान्य है। लोग अपने परिवारों के साथ वहां गए और अपने प्रियजनों को खो दिया। वहीं, दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को जवाबी कार्रवाई के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और कहा कि दो परमाणु संपन्न देशों के बीच सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में यह दुनिया में अपनी तरह की एक अनूठी कार्रवाई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी का आधिकारिक रुख व्यक्त करते हुए कहा कि जहां तक इसके घोषित उद्देश्यों का सवाल है, यह 100 प्रतिशत सफल रहा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के आवास पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की अध्यक्षता में हुई बैठक के एक दिन बाद, सूत्रों ने कहा कि ऑपरेशन से संबंधित भाजपा के बयान "नपे-तुले" होंगे और आने वाले दिनों में मुख्य रूप से विशिष्ट कार्रवाइयों और उनकी उपलब्धियों, सैन्य और अन्य दोनों को रेखांकित करने के उद्देश्य से होंगे।

## 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोला भारत

## हमारी लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ, पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर तीनों सेनाओं के क्ळ ऑपरेशंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि यह दुख की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया और वह भी आतंकवादियों के लिए, और इसलिए हमने जवाब देने का फैसला किया। एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि हमारी युद्ध-सिद्ध प्रणालियाँ समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और उनका डटकर मुकाबला करती हैं। एक और खास बात स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली, आकाश प्रणाली का शानदार प्रदर्शन रहा है। शक्तिशाली AD वातावरण को तैयार करना और उसे क्रियान्वित करना केवल पिछले दशक में भारत सरकार से मिले बजटीय और नीतिगत समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है। एयर मार्शल भारती ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन और मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों की कई कोशिशों को भी स्वदेशी रूप से विकसित सॉफ्ट और हार्ड किल काउंटर-यूएएस प्रणालियों और अच्छी तरह से प्रशिक्षित भारतीय वायु रक्षा कर्मियों द्वारा विफल कर दिया गया। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आतंकवादी गतिविधियों का चरित्र बदल गया है। निर्दोष नागरिकों पर हमले किए जा रहे थे। पहलगाम तक पाप का यह घड़ा भर चुका था। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ हमारी लड़ाई है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के चीनी मिसाइल को हमने मार गिराया। डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि इससे मैं इस बात पर आता हूँ कि पाकिस्तानी सेना के अथक प्रयासों के बावजूद भारतीय सेना ने देश में नागरिकों और सैन्य बुनियादी ढांचे को होने वाले नुकसान को कम से कम कैसे किया है। आप में से अधिकांश और देश के अधिकांश लोगों ने सशस्त्र बलों द्वारा स्थापित स्तरित और एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों के बारे में बहुत कुछ कहा है, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना की संपत्तियाँ शामिल हैं। इस मजबूत AD प्रणाली में बहु-स्तरित AD सेंसर और हथियार प्रणालियों की एक बड़ी विविधता शामिल है।

## 32 नागरिक हवाई अड्डों पर विमान संचालन शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हिंडन, श्रीनगर, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट और भुज समेत देश के 32 हवाई अड्डों को नागरिक विमान परिचालन के लिए फिर से खोल दिया है। सरकार ने पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर इन हवाई अड्डों पर संचालन 15 मई 2025 को सुबह पांच बजकर 29 मिनट तक के लिए अस्थायी रूप बंद कर दिया था। अब इस पाबंदी को अब हटा लिया है। ये हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान परिचालन के लिए उपलब्ध हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर कहा कि यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइनों से सीधे उड़ान की स्थिति की जांच करें और नियमित अपडेट के लिए एयरलाइन की वेबसाइटों पर नजर रखें। गौरतलब है कि विमानन प्राधिकरणों ने 10 मई को उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी तरह के नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की थी।

## सर्वदलीय बैठक में अब प्रधानमंत्री नहीं आये तो हम बहिष्कार करेंगे : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पहलगाम हमले के बाद दो बार सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है, लेकिन अब जब सर्वदलीय बैठक होगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं आए तो कांग्रेस बैठक का बहिष्कार करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम मुद्दे पर पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में प्रधानमंत्री को मौजूद रहना चाहिए था, लेकिन यदि वह

अगली बैठक में नहीं आए तो कांग्रेस बैठक का बहिष्कार करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह घोषणा कर दी है कि अगली सर्वदलीय बैठक में श्री मोदी नहीं आए तो हम बैठक में शामिल नहीं होंगे और बाहर आ जाएंगे और बैठक का बहिष्कार करेंगे। श्री बघेल ने आतंकवाद के खिलाफ की गई कार्रवाई की सफलता से संबंधित एक सवाल पर कहा कि यदि यह सफल रहा है तो सरकार को सर्वदलीय बैठक के साथ ही संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए और उसमें हमारे सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के बहुत सारे सवाल है श्री मोदी को प्रेस कांफ्रेंस, सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

## 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी भाजपा, पूरे भारत में तिरंगा यात्रा की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में किए गए भारतीय सैन्य हमले 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को प्रदर्शित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी। यह निर्णय सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान लिया गया। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी शामिल हुए, जहां अभियान की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने और देश भर में फैलाई जा रही गलत सूचनाओं का मुकाबला करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। इस अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन करेंगे। इन कार्यक्रमों में केंद्रीय मंत्री, सांसद, निर्वाचित प्रतिनिधि और सभी स्तरों पर पार्टी पदाधिकारी शामिल होंगे। इन यात्राओं का उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव का आह्वान करना, सशस्त्र बलों का सम्मान करना तथा राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार के निर्णायक कार्यों के लिए जनता का समर्थन मजबूत करना है। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि अभियान भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और राष्ट्र की रक्षा के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करने पर केंद्रित होगा।

## रायपुर में सड़क हादसे में 13 की मौत, 14 घायल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत सारागांव के पास खरोरा क्षेत्र में रविवार रात सड़क हादसा हुआ, जिसमें 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बंगोली गांव के पास उस वक्त हुआ जब माजदा वाहन और ट्रेलर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। मृतकों में चार बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी लोग बाना गांव में एक छठी कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव आरंग के चटौद लौट रहे थे। माजदा वाहन में करीब 50 लोग सवार थे। जब वाहन बंगोली गांव के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि माजदा के परखच्चे उड़ गए और कई लोग वाहन में ही फंस गए। अब तक इस हादसे में जान गंवाने वाले 13 लोगों की पहचान हो चुकी है। मृतकों के नाम टिकेश्वरी साहू (45), मनहोरा, धरसीवा कुमारी महिमा साहू (18), गोंदवारा एकलव्य साहू (6), मोहंदी, धरसीवा प्रभा साहू (34), मोहंदी, धरसीवा नंदिनी साहू (53), मोहंदी, धरसीवा उमंग साहू (5 माह), आनंदगांव, बेमेतरा वर्षा साहू (28), आनंदगांव, बेमेतरा गीता साहू (54), मोहंदी, धरसीवा राजवती साहू (60), नगपुरा मंदिर, हसौद कृति साहू (50), चटौद, विधानसभा थाना कुंती साहू (55), चटौद, विधानसभा थाना टिकेश्वर साहू (35), चटौद, विधानसभा थाना भूमि साहू (4) वर्ष के तौर पर हुयी है।

## भारत ने 'आपरेशन सिन्दूर' से विश्व को आतंकवाद के खिलाफ दिया सख्त संदेश : भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आपरेशन सिन्दूर में भारतीय सशस्त्र बलों के पराक्रम की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि सेना ने देश की रक्षा करने के साथ ही आतंकवादी ठिकानों को तबाह करके समूचे विश्व को आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, सशक्त और निर्णायक संदेश दे दिया है। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ.. संबित पात्रा ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तान ने 22 अप्रैल को आतंकवादी घटना के माध्यम से भारत की वीरता और संप्रभुता को चुनौती देने का दुस्साहस किया। इस पर भारतीय सेना अद्भुत साहस का परिचय देते हुए आतंकवाद के गढ़ में घुसी और न केवल देश की रक्षा की, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ सशक्त प्रहार भी किया। डॉ. पात्रा ने कहा कि बीते कुछ दिनों में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की है, विशेष रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को समाप्त किया है, वह अपने आप में न केवल भारत के भीतर बल्कि समूचे विश्व को आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, सशक्त और निर्णायक संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अभियान में भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना ने अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय दिया है। यह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं था, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक था। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की सेना, वायुसेना, नौसेना और उन सभी जांबाज जवानों का हृदय से आभार प्रकट किया, जिनकी बहादुरी के कारण यह संभव हो पाया। भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अभियान महानिदेशकों ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में देश को बताया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अब पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब पहले जैसा नहीं रहा।

भारत किसी भी चुनौती का सामना करने में संकोच नहीं करता, बल्कि उसका उत्तर निर्णायक और ऐतिहासिक रूप में देता है। आज का भारत आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक भूमिका निभा रहा है और पूरी दुनिया भारत के इस नए आत्मविश्वास को देख रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 22 अप्रैल की तारीख को देश कभी नहीं भूल सकता।

## पचास बच्चों ने ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में कराया पंजीकरण

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में एक महीने की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 15 मई से शुरू होने जा रही है। जिसमें शास्त्रीय गायन व वादन का प्रशिक्षण लेने के लिए सबसे ज्यादा पचास बच्चों ने पंजीकरण कराया है। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण देने के लिए दिल्ली व लखनऊ से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है जो 15 मई से लेकर दस जून तक बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समापन पर प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। जबकि 26 मई से छह दिनों तक होने वाली चित्रकारी कार्यशाला में प्रतिभाग करने के लिए बीस बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

## चार दिन शेष, पीजी के सीटों के डेढ़ गुना आवेदन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन 25 अप्रैल वेबसाइट https://aupravesh2025-cbteÛam-in पर शुरू है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 मई है। आवेदन के महज चार दिन शेष है। अब तक पीजी की सीटों के डेढ़ गुना अभ्यर्थियों ने ही अंतिम रुप से फार्म जमा किया है। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. जेके पति ने बताया कि रविवार की शाम तक 27116 अभ्यर्थियों ने परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी) के लिए पंजीकरण कराया था। इनमें से 10520 अभ्यर्थियों ने ही अंतिम रुप से फार्म जमा किया है। इविवि एवं संघटक महाविद्यालयों में पीजी के कुल 55 विषयों में 7231 सीटों पर दाखिले होने हैं। परंपरागत परास्नातक पाठ्यक्रम पीजीएटी–1 में शामिल किए गए हैं, जिनकी परीक्षा ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों माध्यम में होगी। वहीं, पीजीएटी–2 में गैर परंपरागत पाठ्यक्रमों को शामिल किया है जिनकी प्रवेश परीक्षा केवल ऑनलाइन होगी। पाठ्यक्रमों की सूची पीजीएटी–2025 की विवरणिका में उपलब्ध है। इविवि प्रशासन ने आवेदकों को सलाह दी है कि अपनी पसंद के विषय का कोड सावधानीपूर्वक भरें।

## अब बगैर परीक्षा व्यावसायिक कोर्स में दाखिला ले सकेंगे कॉलेज

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय (पीआरएसयू) से संबद्ध मंडल (प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़ और फतेहपुर) के कॉलेजों में अब बगैर प्रवेश परीक्षा के व्यावसायिक (प्रोफेशनल) पाठ्यक्रमों में दाखिला होगा। राज्य विश्वविद्यालय ने

नए सत्र 2025–26 की प्रवेश प्रक्रिया में अहम निर्णय लिया है। इससे पहले कॉलेजों में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के स्कोर पर दाखिला होता था, लेकिन पिछले सत्र में कई कॉलेजों में सीटें रिक्त रह गई थीं। सूत्रों की मानें तो इसी के चलते विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह बदलाव किया है। अब कॉलेजों में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में इंटरमीडिएट के अंकों के आधार पर प्रवेश होगा, जबकि पीजी में स्नातक के अंक की मेरिट पर दाखिला होगा। मंडल के तकरीबन 78 कॉलेजों में प्रोफेशनल कोर्स संचालित हो रहे हैं। पीएचडी, स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा और प्रोफेशनल कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। पीएचडी के 24 पाठ्यक्रमों में 31 मई तक आवेदन, यूजी, पीजी और प्रोफेशनल कोर्स के लिए 30 जून आवेदन की अंतिम तिथि है।

## बच्चों के प्रवेश की सूचना आरटीई पोर्टल पर देने के निर्देश

प्रयागराज। शैक्षिक सत्र 2025–26 में वंचित वर्ग के बच्चों को गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की पूर्व प्राथमिक और कक्षा एक में आवंटन के बाद शत–प्रतिशत नामांकन कराते

हुए ऑनलाइन पोर्टल पर सूचना अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने नगर व ग्रामीण क्षेत्र के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि डाटा फीडिंग से संबंधी कार्यवाही कराने के लिए मॉडयूल 25 अप्रैल से 30 जून तक खोला गया है। पोर्टल पर शत–प्रतिशत आवंटित छात्रों का विद्यालयों में नामांकन, स्कूल मैपिंग, स्कूल रजिस्ट्रेशन एवं डाटा फीडिंग आदि कार्य पूर्ण कराते हुए पोर्टल पर अपलोड कराने के अलावा विकास खंड में जिन विद्यालयों में नया यू–डायस कोड अवंटित हुआ है या जो विद्यालय आरटीई पोर्टल पर मैप्ड नहीं है उन विद्यालयों को भी पोर्टल पर मैपिंग / रजिस्ट्रेशन का कार्य पूरा कराना है।

## सरकार के खिलाफ अभियान चलाएगा जदयू

प्रयागराज। जनता दल यूनाइटेड की प्रयागराज इकाई प्रदेश सरकार के खिलाफ 13 से 31 मई तक अभियान चलाएगी। आंदोलन के संबंध में पार्टी की जिला इकाई ने रविवार को बैठक की। बिशम्भर पटेल की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्मार्ट मीटर, पेयजल समस्या. खाद–तेल की महंगाई, मजदूरों को कम मजदूरी मिलने आदि पर चर्चा की। बैठक में इन्हीं मुद्दों पर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

# यूट्यूबर एल्विश यादव को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, सांप के जहर और ड्रग्स के इस्तेमाल का चलेगा केस

प्रयागराज। यूट्यूबर एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर एल्विश की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। दरअसल, एल्विश यादव ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की शरण ली थी। उसने रेव पार्टी आयोजित करने और सांप के जहर के दुरुपयोग के आरोप में दर्ज मुकदमे की चार्जशीट और सम्मन आदेश रद्द करने की मांग में याचिका दाखिल की थी।

एल्विश यादव पर आरोप है कि वह रेव पार्टियों का आयोजन करता था, जहां विदेशी नागरिक भी बुलाए जाते थे, जो लोगों को सांप के ज़हर और अन्य मादक पदार्थों का सेवन कराते थे। सूचना देने वाले ने आरोप लगाया कि जब उसने एल्विश यादव से संपर्क किया तो एल्विश यादव ने उसे राहुल से मिलवाया, जिसने रेव पार्टी आयोजित कराने पर सहमति दी। एल्विश यादव के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 39, 48ए, 49,

50 व 51, आईपीसी की धारा 284, 289 व 120बी और एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 22, 29, 30 व 32 के तहत गौतम बुद्ध नगर के सेक्टर–49 थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। चार्जशीट दाखिल होने के बाद गौतम बुद्ध नगर की एसीजेएम प्रथम की अदालत ने सम्मन भी जारी किया।

एल्विश यादव ने याचिका में कहा कि मुकदमा दर्ज कराने वाला वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत अधिकृत व्यक्ति नहीं है। वह खुद को पशु कल्याण अधिकारी बताकर झूठा दावा कर रहा है। याचिका में यह भी कहा गया है कि याची के पास से न तो कोई सांप और न ही कोई मादक पदार्थ बरामद हुआ है। इसके अलावा अभियुक्त और अन्य सह–अभियुक्तों के बीच कोई प्रत्यक्ष संबंध स्थापित नहीं किया गया। यह भी कहा कि सर्वविदित तथ्य है कि याची सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। विभिन्न टीवी रियलिटी शो में भी नजर आता है।

स्वाभाविक रूप से इस मामले में उसका नाम जुड़ने के कारण मीडिया में काफी हलचल हुई। इसी कारण पुलिस अधिकारियों ने अतिरिक्त संवेदनशीलता दिखाते हुए एडीपीएस एक्ट की धाराएं भी लगा दीं लेकिन बाद में इन धाराओं को साबित न कर पाने के कारण हटा दिया गया। यह भी दलील दी गई कि याची के खिलाफ आरोप अस्पष्ट व निराधार हैं।

# सत्यापन में महज 1.32 फीसदी मिले पेंशन के अपात्र

प्रयागराज। वृद्धावस्था पेंशन के सत्यापन में कर्मचारियों का बड़ा खेल चल रहा है। आवेदनों की जांच के बाद अपात्र बहुत कम मिलने पर अफसरों को संदेह हुआ। जिसके बाद जांच का आदेश दिया है। इन दिनों वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन चल रहा है।

शुक्रवार को मंडलीय समीक्षा हुई तो सभी जिलों के जिला समाज कल्याण अधिकारियों ने अपने यहां की रिपोर्ट पेश की। जिसमें फतेहपुर के कुल पेंशनर 93828 थे, इसमें से 76102 का सत्यापन हुआ। कुल अपात्र या मृतक 1008 पाए गए, जो कुल सत्यापित आवेदनों का 1.32 फीसदी था। अपात्रों की बेहद कम संख्या पर अधिकारी ने फिर से सत्यापन कराकर रिपोर्ट देने के आदेश दिए।

इसी प्रकार से प्रतापगढ़ में एक लाख 52 हजर 860 कुल पेंशनर्स में एक लाख 27 हजार 256 का सत्यापन हुआ, इसमें 5076 यानी कुल सत्यापित का 3.99 फीसदी अपात्र पाए गए हैं। प्रयागराज में एक लाख 44 हजार 576 में एक लाख 31 हजार 119 आवेदन सत्यापित हुए और 2912 यानी कुल सत्यापित फॉर्म का 2.22 फीसदी अपात्र या मृतक पाए गए। कौशाम्बी में कुल 67961 पेंशनर्स में 51241 आवेदनों का सत्यापन हुआ। जिसमें 1847 यानी कुल सत्यापित फॉर्म का 3.60 अपात्र या मृतक पाए गए हैं।

सालों से पेंशन फिर कैसे नहीं हुए कम ये सत्यापन उन आवेदनों का है, जो सालों से पेंशन पा रहे हैं। ऐसे में संख्या कम होनी चाहिए थी। बताया जा रहा है कि सत्यापन में प्रधानों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब वो सत्यापित कर देते हैं तो कर्मचारी वही रिपोर्ट मानते हैं। अगले वर्ष पंचायत चुनाव भी है। ऐसे में तमाम आवेदन सत्यापित हो जा रहे हैं। कुल सत्यापित आवेदनों में इतने कम अपात्र नहीं होते हैं। इस पर एक बार फिर जांच कर रिपोर्ट मांगी गई है। जिससे सही आंकड़ा सामने आए और शासन को उसी के अनुसार रिपोर्ट भेजी जाए। – सुधीर कुमार, उप निदेशक समाज कल्याण

# 5 करोड़ रुपये से बदलेगी ब्लैक बक सेंक्चुरी की तस्वीर

प्रयागराज। मेजा के चांद खमरिया में बने उत्तर प्रदेश के एकमात्र काला हिरण अभ्यारण की तस्वीर अब बदलेगी। यहां विकास के लिए पांच करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। जिसके लिए शासन ने बजट भी जारी कर दिया है। अब यहां काम शुरू होना है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पर्यटन विभाग को बजट दिया गया है। चांद खमरिया और मालीकला ग्राम पंचायतों में बने इस अभ्यारण का प्रवेश द्वार काले हिरण की सींग के आकार का बनाया जाएगा। जिससे यहां आने वालों को दूर से एहसास हो जाए कि वो काला हिरण अभ्यारण में पहुंच गए हैं।

साथ ही यहां पर बच्चों के लिए चिल्ड्रेन पार्क बनाया जाएगा, जिससे बच्चों की तमाम गतिविधियां कराई जाएंगी। जैसे चिड़िया के लिए घोसला बनाना, मिट्टी के छोटे–छोटे खिलौने बनाना, नया टिकट काउंट बनाया जाएगा। गार्ड के लिए अलग से कक्ष बनाए जाएंगे। 88 हेक्टेयर में फैले इस अभ्यारण के आसपास 38.1230 हेक्टेयर जमीन इसका हिस्सा है। कुल 126.1230 हेक्टेयर के हिस्से में विकास कार्य कराया जाना है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि बजट मिला है। जिससे अभ्यारण में सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जाएंगे। इसका प्लान पहले ही बनाया गया था। मूलभूत सुविधाओं को भी जोड़ा जाएगा यहां पर टायलेट बनाया जाएगा। शेड बनाया जाएगा, बेंच लगाई जाएगी। इसके साथ ही टलहने के लिए पाथ बनाया जाएगा। जिससे परिवार यहां पर आकर कुछ देर आराम से टहल सकें। 553 हैं काले हिरण यहां इस वक्त कुल 553 काले हिरण हैं, जिसमें 173 हिरण और 250 हिरणी व 130 बच्चे हैं। वर्ष 2011 में यहां कुल 406 काले हिरण थे, 2019 में 505 काले हिरण हो गए थे।

## बेली, कॉल्विन के मरीजों के इलाज में मदद करेगा कैंट हॉस्पिटल

प्रयागराज। कैंट हॉस्पिटल अब बेली (तेज बहादुर सप्रू अस्पताल) और कॉल्विन (मोती लाल नेहरू मंडलीय अस्पताल) के गंभीर रोगियों का टेली मेडिसिन की मदद से इलाज करेगा। दोनों सरकारी अस्पताल के किडनी, न्यूरोलॉजी और कॉर्डियोलॉजी के मरीजों को कैंट हॉस्पिटल के विशेषज्ञ देखेंगे। रक्षा मंत्रालय के अधीन अस्पताल दोनों अस्पताल के मरीजों की अन्य जांच में भी मदद करेगा। दोनों अस्पताल के मरीजों को नई छावनी स्थित अस्पताल आईसीयू की सुविधा भी उपलब्ध कराएगा। कैंट हॉस्पिटल प्रबंधन ने महीनों पहले अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को गंभीर बीमरियों के इलाज में मदद के लिए प्रस्ताव भेजा था। कैंट हॉस्पिटल के प्रस्ताव का अध्ययन करने के बाद इलाज की सुविधाएं लेने के संबंध में स्वीकृति दी और इसकी जानकारी के लिए महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा को पत्र भेजा है। दोनों अस्पताल के मरीजों को चिकित्सकीय सलाह के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। टू डी इको व अन्य परीक्षण के लिए मरीज को कैंट हॉस्पिटल जाना होगा और निर्धारित शुल्क भुगतान करना पड़ेगा। कैंट हॉस्पिटल के निदेशक सिद्धार्थ पांडेय ने बताया कि अभी दोनों अस्पताल की ओपीडी में आने वाले किडनी, न्यूरो, कार्डियो के मरीजों को स्वरूप रानी अस्पताल रेफर किया जाता है। अब तीनों बीमारियों के गंभीर मरीजों को अस्पताल में इलाज मिलेगा।

## बिजली विभाग के अभियान में 360 उपभोक्ता के यहां जांच, तीन पकड़ी बिजली चोरी

प्रयागराज। बिजली विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान के दूसरे दिन रविवार को 20 सदस्यीय विशेष टीम ने हाई लाइन लास फीडर कटरा व मछली बाजार क्षेत्र में जांच की। एक लॉज समेत तीन जगह बिजली चोरी पकड़ी गई। इसके अलावा 73 लोगों के घरों में विद्युत भार को भी बढ़ाया गया। चार लोगों का एक लाख से अधिक के बड़े बकायदार पर कनेक्शन काटा गया। वहीं आठ लोगों के खराब मीटर तत्काल बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए गए। कुल 360 उपभोक्ताओं के यहां जांच की गई। अधीक्षण अभियंता द्वितीय मुकेश बाबू, अधिशासी अभियंता अनिल आहूजा व राघवेंद्र प्रताप सिंह, उपखंड अधिकारी म्योहाल पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रवर्तन दल के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी कटरा व मछली बाजार क्षेत्र में पहुंचे।

एक–एक घर में मीटरों की जांच शुरू हुई। दो घरों में मीटर के पास से केबल को काटकर बाईपास किया गया था। इलाके के ही एक लॉज में दस कमरे हैं, जिसमें किरायेदार रहते हैं। टीम ने लॉज में मीटर देखा तो वह बंद पड़ा था। सभी कमरों में बिजली आपूर्ति हो रही थी। एलटी लाइन से केबल को सीधे जोड़ा गया था। इसकी वीडियोग्राफी कराई गई। उपखंड अधिकारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि लॉज में आठ किलोवाट की बिजली चोरी पकड़ी गई है। मालिक का नाम पता करने की कोशिश की जा रही है। केबल जब्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि मालिक के नाम से मुकदमा दर्ज होगा। इसके अलावा वसूली की कार्रवाई भी की जाएगी।

## धोबी घाट चौराहे पर बाइक सवारों ने युवक को मारी गोली

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के धोबी घाट चौराहे के पास रविवार शाम बाइक सवार हमलावरों ने एक युवक को गोली मारकर सनसनी फैला दी। हमलावर दो गोली चलाकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। घायल को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात शाम करीब साढ़े सात बजे की है। बेली गांव निवासी 26 वर्षीय सानू पुत्र एखलाख बाइक से कहीं जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बिना नंबर प्लेट की बाइक आई और उस पर पीछे बैठे हमलावर ने सानू पर पिस्टल से दो गोली चलाई। गोली लगते ही सानू बाइक समेत सड़क पर गिर गया। हमलावर फरार हो गए।

फायरिंग से सनसनी फैल गई। आसपास के कुछ लोग मौके पर पहुंचे तो घायल युवक तड़प रहा था। सूचना पर सिविल लाइंस पुलिस पहुंची। थाना प्रभारी राम आश्रय यादव ने बताया कि युवक को एक गोली कमर और दूसरी गोली पैर में लगी है। एसआरएन अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायल के खिलाफ एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही हे। जल्द ही हमलावर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

## लोक सेवा आयोग ने सीधी भर्ती के 50 पदों पर मांगे आवेदन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सीधी भर्ती के 50 पदों पर ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। अभ्यर्थी नौ जून तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्रों में त्रुटि संशोधन के लिए 16 जून तक का मौका दिया गया है। अभिलेखों सहित ऑनलाइन

आवेदन की हार्ड कॉपी 23 जून की शाम पांच बजे तक जमा करनी होगी। आयुष होम्योपैथी विभाग के तहत होम्योपैथी महाविद्यालय में प्राचार्य के दो, प्रोफेसर के चार और रीडर के 12 पदों पर भर्ती होगी। आयुष यूनानी विभाग में रीडर उपाचार्य के सात और प्राध्यापक के 11 पदों जबकि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी के एक पद पर चयन होना है।

संग्रहालय निदेशालय में सहायक निदेशक (पुरातत्व) व सहायक निदेशक (कलात्मक वस्तुएं) के एक–एक पद जबकि संग्रहालयाध्यक्ष के तीन पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। दुग्धशाला विकास विभाग में उप दुग्धशाला विकास अधिकारी के छह पदों जबकि पशुधन विभाग में फार्म प्रबंधक और संस्कृति निदेशालय में सहायक निदेशक के एक–एक पद पर भर्ती होगी।

## सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ जिला कार्यकारिणी ने रविवार को सेवानिवृत्त राजस्व कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी। तहसील सदर के सभागार में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्ति लेखपाल शिव प्रसाद शुक्ला, चंद्रशेखर सिंह, राज नारायण तिवारी व राजस्व निरीक्षक रामचंद्र कुशवाहा, मन्नीलाल व मोहम्मद

अशरफ को संघ के जिलाध्यक्ष राजकुमार सागर ने अंगवस्त्रम और स्मृत चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निरीक्षक खंड मंत्री राजेंद्र शुक्ला मंत्री अवनीश पांडेय, राजस्व निरीक्षक जिलाध्यक्ष रामप्रसाद त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश यादव, कोषाध्यक्ष राजकुमार पाण्डेय, कनिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश मिश्र, संगठन मंत्री मुकुल यादव, गंगापार संगठन मंत्री रामबाबू, तहसील मेजा अध्यक्ष कुलदीप यादव, तहसील करछना अध्यक्ष अनूप त्रिपाठी, तहसील सदर अध्यक्ष प्रतीक पांडेय, तहसील मंत्री फूलपुर राकेश कुमार, तहसील मंत्री सोरांव विपिन भट्ट सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे!

## सपा ने झांसी खंड स्नातक निर्वाचन पर किया मंथन

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की महानगर इकाई ने झांसी खंड स्नातक निर्वाचन की तैयारी शुरू कर दी है। निर्वाचन के सिलसिले में पार्टी की महानगर इकाई ने रविवार को चौक स्थित कार्यालय में बैठक की। सैय्यद इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता में

आयोजित बैठक में पार्टी की महानगर इकाई ने वर्ष २०२६ में होने वाले चुनाव पर मंथन किया। बैठक में बूथ प्रबंधन. संगठन को मजबूत बनाने बूथ व सेक्टर स्तर के कार्यकर्ताओं को वोटर बढ़ाने आदि पर विचार किया गया। बैठक में रवींद्र यादव रवि, संदीप यादव, महबूब उस्मानी, तारिक सईद अज्जू, मोइन हबीबी, ओपी पाल, हरीशचंद्र श्रीवास्तव, मोहम्मद यूसुफ अंसारी, भोला पाल, संतोष कुमार निषाद, मृत्युंजय पांडेय, ओपी यादव, शिव ओम सिंह पटेल, अब्दुल समद, पंकज साहू, संतोष यादव, इंदू यादव,आरती पाल, सुधीर निषाद, गौरव वर्मा, सुरेश श्रीवास्तव, नन्हें मंसूरी, सैय्यद आसिफ हुसैन, शरद सिंह पटेल, मोहम्मद कमाल कुरैशी, वरुण सोनकर आदि मौजूद रहे।

## मां को उपहार देकर बच्चों ने लिया आशीर्वाद

प्रयागराज। शास्त्रीय नगर स्थित कायस्थ परिवार कार्यालय में मदर्स डे के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माताओं द्वारा एक साथ केक काटकर और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देने से हुई। इसके पश्चात किरन श्रीवास्तव, अमिता सक्सेना, लवली श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, मालती श्रीवास्तव, रीना श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव, छमा श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, आभा श्रीवास्तव और स्वाति श्रीवास्तव को माला पहनाकर सम्मानित किया गया और उपहार भेंट किए गए। यह सम्मान अमिता सक्सेना और संध्या श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि मां हमारे जीवन की जननी ही नहीं, हमारी पहली शिक्षक भी होती है। वह हमें स्नेह और अनुशासन दोनों से जीवन जीना सिखाती है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रिंकू श्रीवास्तव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कृपाशंकर श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

## किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह की पुण्यतिथि 15 मई को

सिसौली (मुजफ्फरनगर)। किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 14वीं पुण्यतिथि 15मई को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय मुख्यालय सिसौली में 'जल, जगल, जमीन और पर्यावरण बचाओ'' संकल्प दिवस के रूप में आयोजित की जाएगी। भाकियु मुखिया चौधरी नरेश टिकैत के निजी सचिव कमल मित्तल ने बताया की दिवंगत किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि ष्जल,जगल,जमीन और पर्यावरण बचाओ'' संकल्प दिवस के रूप मे भारत के सभी जनपद मुख्यालयों पर मनाई जाएगी जिसमें सर्वखाप पंचायत, सौरम में लिए गए निर्णय के अनुसार भारत के वीर सैनिकों के लिए सरकारी संस्थाओं के द्वारा ष्रक्तदान शिविरष् का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर नेहरू नेत्र चिकित्सालय, मुजफ्फरनगर द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर भी लगाया जाएगा। कमल मित्तल ने बताया कि जनपद मुजफ्फरनगर के सभी सीमावर्ती जनपद जिनकी सीमा मुजफ्फरनगर से मिलती है वहा के सभी भाकियू कार्यकर्ता किसान भवन सिसौली में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

## नर्सिंग डे पर छात्राओं को किया सम्मानित

### बलदेव मेडिसिटी कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

मथुरा। बलदेव मेडिसिटी कॉलेज में सोमवार को नर्सिंग दे मनाया गया। बतौर अतिथि क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश,बीजेपी जिलाध्यक्ष निर्भय कुमार पांडे, पंकज प्रकाश, सत्यपाल चौधरी,

रविन्द्र चौधरी ,भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने मेडिकल कॉलेज की छात्राओं को सम्मानित किया। चेयरमैन भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि फ्लोरेंस नाइटेंगल आधुनिक नर्सिंग की जननी हैं उनकी सेवाओं को याद कर इस दिन जयंती मनाई जाती है। नर्सिंग डे के अवसर पर छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

## बुद्ध पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान, की विशेष पूजा

मोरना। तीर्थनगरी शुकतीर्थ में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर गंगा में स्नान कर पुण्य अर्जित करने के लिए क्षेत्र व दूरदराज से आये श्रद्धालुओं ने गंगा मे स्नान किया व मंदिरों मे पूजा अर्चना की वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी सपरिवार गंगा मे स्नान किया।सुरक्षा को लेकर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर मां गंगा के अंचल में भारी संख्या में श्रद्धालु आस्था

की डुबकी लगाने के लिए उमड़ पड़े। हर हर गंगे की जयकारे संग श्रद्धालुओं ने गोता लगाया और गंगा घाट पर विराजमान पुरोहितों को दान दक्षिणा देकर पुण्य लाभ भी कमाया। गंगा घाट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने शुकदेव मंदिर, हनुमद्धाम, गणेश धाम, शिव धाम, दुर्गा धाम, गंगा मंदिर, अखंड धाम, नव ग्रह शनि धाम आदि में पूजा–अर्चना की तथा प्राचीन अक्षय वट वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांधा। प्राचीन दंडी आश्रम, गौड़ीय मठ, श्री माहेश्वर आश्रम, महाशक्ति सिद्धपीठ, रामानुज कोट आश्रम, मां पूर्णागिरि सिद्धपीठ, मां पीतांबरा धाम, साकेत धाम, गीता धाम, उदासीन निर्वाण आश्रम, खिचडी वाले बाबा का आश्रम आदि में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं के भारी संख्या में आगमन को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर नगरी के गंगा घाट व विभिन्न मंदिरों में पुलिस की ड्यूटी लगाई गई। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह, शुकतीर्थ चौकी प्रभारी एसआई रणवीर सिंह, रामप्रकाश कुन्तल, विनीत यादव पुलिस बल के साथ नगरी में घूमते रहे।

## सुबह–सुबह अमीनाबाद की गलियों में हूटर बजाते निकली पुलिस, बोले–गुड मॉर्निंग दादा, कोई दिक्कत तो नहीं

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के अमीनाबाद में सोमवार की सुबह कुछ अलग थी। जहां आमतौर पर लोग मॉर्निंग वॉक करते दिखते हैं, वहीं आज पुलिस की टीम भी उनके साथ चल रही थी। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव की इस नई पहल का मकसद सिर्फ गश्त नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच पुलिस का भरोसा बढ़ाना भी है। सिपाहियों ने वॉक कर रहे बुजुर्गों और स्थानीय लोगों से संवाद कर सुरक्षा और पुलिस कार्यों का फीडबैक लिया। एक बुजुर्ग ने कहा पहली बार लगा कि पुलिस हमारे साथ है, हमारे लिए है। थाना अमीनाबाद की पुलिस टीम सुबह 6 बजे श्रीराम रोड, नक्खास और लोहिया पार्क जैसे इलाकों में वॉक पर निकले नागरिकों से मिली। पुलिस ने लोगों से पूछा कि कहां असुरक्षित महसूस होता है, कहां गश्त बढ़ाई जाए। वरिष्ठ नागरिकों ने खुले मन से संवाद किया और पुलिस को सराहा। स्थानीय व्यापारी और वॉक पर निकले युवाओं ने कहा कि ये एक बेहतरीन पहल है। पहले पुलिस तब दिखती थी जब कुछ गलत हो जाता था, अब सुबह–सुबह दिख रही है, बात कर रही है। यही असली सुरक्षा है। पुलिसकर्मियों ने लोगों को सुरक्षा को लेकर जागरूक किया और यह भरोसा दिलाया कि वे हर समय उनके साथ हैं। डीसीपी बोले सुरक्षा संवाद से आता है, सिर्फ डंडे से नहीं। हमारी कोशिश है कि पुलिस सिर्फ वर्दी नहीं, विश्वास की पहचान बने। मॉर्निंग पुलिसिंग मुहिम इसी सोच का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही लखनऊ के अन्य थाना क्षेत्रों में भी यह अभियान शुरू होगा।

# इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई मई माह की महिला काव्य गोष्ठी '' मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में हुई।

कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ.साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि ममता श्रवण अग्रवाल थीं।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की वन्दना डॉ शशि निगम द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन पर प्रभा तिवारी व प्रेरणा सेन्द्रेक्षने किया।

इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा किया। डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल, डॉ शशिकला अवस्थी,नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, लता सेनघ , श्रुति चौधरी, ऊषा यादव ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी ,डॉ.शशि निगम, सुनीता संतोषी, गायत्री शर्मा, श्रुति चौधरी,आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन डा. अंजुल कंसल ने किया।

# विश्वनाथ के राष्ट्रभाषा संस्थान द्वारा डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस अंतिम परीक्षा में सुख्याति से उत्तीर्ण संजय पटेल को अभिनंदन तथा सम्मान समारोह

विश्वनाथ, असम। बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) परीक्षा का हाल ही में परिणाम घोषित हुए जिसमें डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज (असम) से सुख्याति के साथ विश्वनाथ के संजय पटेल उत्तीर्ण हुए। जिसे रविवार को विश्वनाथ चारिआलि शहर के नवनिर्मित ठाकुरबाड़ी प्रांगण में सुबह 11 बजे राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल , राष्ट्रीय विद्यालय एम ई और विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक अभिनंदन तथा सम्मान समारोह रखा गया। इस सम्मान समारोह का अध्यक्षता विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकरी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय तथा संचालन उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने की। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथि व महानुभावों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके बाद सभा में उपस्थित सेवानिवृत्त वरिष्ठ संस्कृत अध्यापक लोकनाथ शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया। इसके बाद विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने सभा का उद्देश्य व्याख्या की। सभा में उपस्थित संजय पटेल के पिता छेदीलाल कुर्मी को सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय

ने फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल के प्राचार्य बीरेंद्र प्रसाद शर्मा, राष्ट्रीय विद्यालय एम ई के वरिष्ठ शिक्षक रवीन्द्रनाथ गुप्ता और समाज सेवक संतोष कुमार गुप्ता ने एमबीबीएस परीक्षा में उत्तीर्ण संजय पटेल को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया। सभा संचालक विनोद कुमार गुप्ता ने अभिनंदन पत्र पाठ किया और जिसे विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सचिव संतोष कुमार महतो और वरिष्ठ महानुभावों के हाथों से संजय पटेल को अभिनंदन पत्र सम्मानित किया गया। सेवा वरिष्ठ संस्कृत अध्यापक लोकनाथ शास्त्री ने अपने वक्तव्य में सर्वप्रथम संजय पटेल को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा मानव का जन्म ही सेवा है , अतः रोगियों को सेवा ही डाक्टर का कर्म है । क्रमशः विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू , समाजसेवक कन्हैया प्रसाद गुप्ता, राष्ट्रीय विद्यालय एम ई के वरिष्ठ शिक्षक रवीन्द्रनाथ गुप्ता,महेंद्र प्रताप गुप्ता, उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता सचिव संतोष कुमार महतो आदि सभी ह्रदयतल से हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए अपना विचार व्यक्त की।

अंत में सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय ने कहा कि विश्वनाथ वासियों के लिए गौरव का विषय है आज हमारे समाज से डाक्टर निकल रहें हैं और उम्मीद है कि संजय पटेल विश्वनाथ वासियों को सेवा करेंगे।

अंत में वरिष्ठ अध्यापक रवीन्द्रनाथ गुप्ता ने उपस्थित अतिथि तथा महानुभावों को आभार प्रकट करते हुए गरिमामय समारोह संपन्न हुआ।

विश्वनाथ में उनकी सफलता से खुशी की लहर है। सभी ने संजय पटेल को ढेर सारी शुभकामनाएं तथा बधाईयाँ दी।

# 15 मई को कालाकांकर ब्लाक जायेंगे लोकपाल

## वडेरा ग्राम पंचायत के अधूरे कार्यो का करेंगे सत्यापन, अतरौलिया गाँव के शिकायतों की करेंगे जांच

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण 15 मई को कालाकांकर ब्लाक क्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण करेंगे और मनरेगा की जमीनी सच्चाई से रूबरू होंगे। इस दौरान लोकपाल पुनरू वडेरा ग्राम पंचायत का भ्रमण कर पूर्व निरीक्षण में दिये गए निर्देशों के अनुपालन का सत्यापन कर आवश्यक निर्णय लेंगे। वहीं अतरौलिया ग्राम पंचायत से आई शिकायतों का भौतिक निरीक्षण करेंगे।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने खंड विकास अधिकारी कालाकांकर से वार्ता कर भ्रमण व निरीक्षण कार्यक्रम में सम्बन्धित मनरेगा कर्मियों व पंचायत प्रतिनिधियो की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिया है। लोकपाल ने बी डी ओ को निरीक्षण के समय अतिरिक कार्यक्रम अधिकारी के साथ आवश्यक तकनीकी टीम को सहयोग हेतु लगाने के निर्देश दिये है। उन्होंने सुरक्षा

व सामान्य अनुशासन हेतु स्थानीय पुलिस स्टेशन को भी निरीक्षण कार्यक्रम से अवगत कराने को कहा गया है।

लोकपाल 15 मई को सर्व प्रथम दोपहर 12 बजे अतरौलिया ग्राम पंचायत का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। तदोपरांत अपराह्न 2.30 बजे से वडेरा ग्राम पंचायत के अधूरे कार्यो के सापेक्ष 10 मार्च को हुए लोकपाल द्वारा निरीक्षण के उपरांत दिए गए निर्देश के क्रम में अनुपालन व सुधार का स्थलीय सत्यापन कर आवश्यक निर्णय लिया जायेगा। लोकपाल द्वारा इस अवसर पर वडेरा ग्राम पंचायत में मनरेगा चौपाल लगा कर समस्याओ के समाधान के निर्देश दिये गए है।

## अकेले खड़े होकर तस्वीर खिंचवाने के बजाय सैन्य बलों के साथ खड़े होने का समय–अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव और नियंत्रण रेखा पर मौजूदा हालात के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजनेताओं से रक्षा संबंधी पृष्ठभूमि का इस्तेमाल फोटो खिंचवाने के अवसर के रूप में करने से बचने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में कार्यक्रम में ब्रह्मोस मिसाइल के सामने फोटो खिंचवाई थी। इसी को लेकर अखिलेश ने सीएम पर निशाना साधा है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।बोले, इसे फोटो बैकग्राउंड अथवा सेल्फी प्वाइंट न बनाएं। ये आत्म–प्रदर्शन के लिए अकेले खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाने की बजाय सैन्य बलों के साथ खड़े होने का समय है। अखिलेश यादव ने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि वर्तमान के अति संवेदनशील माहौल में प्रतिरक्षा–सुरक्षा और भी अधिक गंभीर विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिज्ञों से आग्रह है कि कृपया इसे फोटो बैकग्राउंड अथवा सेल्फी प्वाइंट न बनाएं।

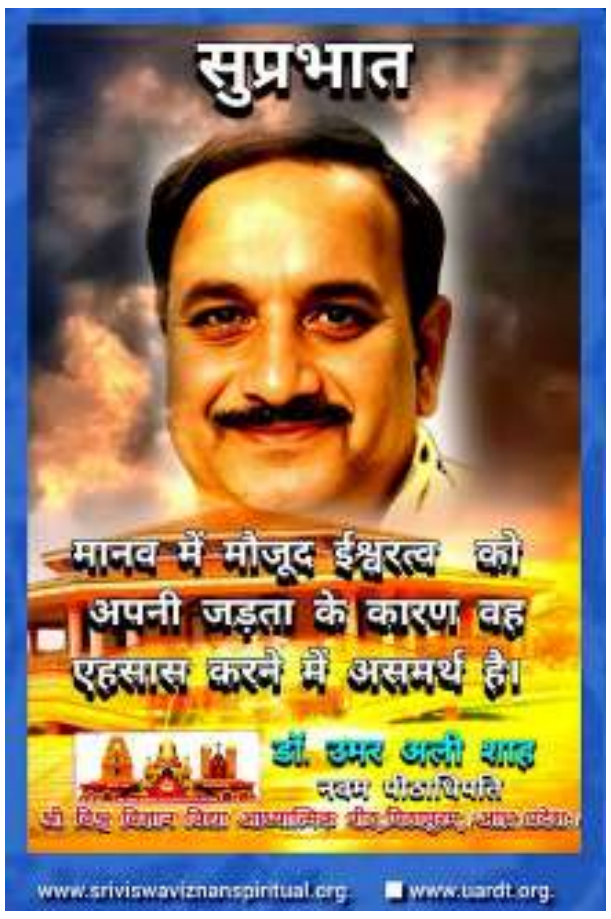


## जहाँ रुका था प्यार

(कुण्डलिया)

कर सकता कोई नहीं, इससे वह इन्कार।
नफरत दिखती है वहीं,जहाँ रुका था प्यार।
जहाँ रुका था प्यार, निशानी ज़िन्दा दिखती।
चाहत है कुरबान, बताती सबको रहती।
लेकिन वहाँ प्रदीप, न रहती कोई हसरत।
मीठे–मीठे बोल, ख़त्म करते हैं नफरत।।

फितरत है इन्सान की, लो इसको पहचान।
लाभ मिला, तारीफ़ की, बिना लाभ अपमान।
बिना लाभ अपमान, दूरियाँ भी बढ़ जाती।
दूजों का पा साथ, उन्हीं का गुण हैं गाती।
सुन लो कहें प्रदीप, न रक्खो उनसे हसरत।
आएँगे वे पास, समझ अब उनकी फितरत।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## गोलाघाट माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा मातृ दिवस के उपलक्ष्य में बहुओं द्वारा मातृ पूजन

गोलाघाट। मातृ दिवस के उपलक्ष में गोलाघाट शाखा द्वारा 'बहुओं द्वारा मातृ पूजन 'कार्यक्रम' रखा गया जिसमे 'बहुओ' ने 'सासुमां' का 'पाद' 'प्रक्षालन' कर उनकी 'पूजा अर्चना' की और 'रसगुल्ले' से मुंह मीठा कराया। हर सासुमां को 'संगठन'

द्वारा 'दुपट्टा से सम्मनित' किया गया। उपस्थित बहनो ने मां के प्रति अपनी–अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। मातृ दिवस का ये कार्यक्रम बहुत ही ,धूमधाम से मनाया गया, और सुचारू रूप से संपन्न हुआ। संगठन की सभी सदस्यों ने अपनी–अपनी उपस्थिति देकर मातृ दिवस को यादगार बना दिया।

## मुजफ्फरनगर शुकतीर्थ बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर गंगा स्नान करने वालों की भारी भीड़

मुजफ्फरनगर। पौराणिक स्थल शुकतीर्थ में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर गंगा में स्नान करने वालों की भारी भीड़ नजर आई। भोपा मोरना, जानसठ मीरापुर मुजफ्फरनगर सहित आस पास के जनपदों से गंगा स्नान कर हनुमान धाम, सुखधाम मंदिर, गौडीय मठ,

गणेश धाम दुर्गा धाम मंदिरों में दर्शन कर धर्म लाभ कमाया। गौडीय मठ में श्री राधेश्याम गौशाला में मुजफ्फरनगर से आई पत्रकारों की टीम ने गौ सेवा की। बुद्ध पूर्णिमा गंगा स्नान पर पौराणिक स्थल पर प्रशाशन की ओर से किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं थी जबकि अगले माह बड़ा गंगा स्नान भी हे जिसमें लाखों की संख्या में गंगा स्नान करने वाले दूर दूर से आते हे। गंगा में पानी की कमी के साथ साथ अव्यवस्थाओं का भी बोल बाला नजर आया, गंगा घाट पर भारी गंदगी के साथ साथ प्रशाशन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं थी। पानी में गंदगी के साथ साथ ठहराव भी नजर आया।


**उत्तर मध्य रेलवे**

ई निविदा संख्याः सिग-डब्लू एस-कान्ट्रैक्ट-578 दिनांकः 09.05.2025

**ई-निविदा सूचना**

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिये उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें आन लाइन (ई टेंडरिंग) निर्धारित प्रपत्र पर आमन्त्रित की जाती हैं।

कार्य का नामः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के विंध्याचल-कैलहट खंड में ऑटो-हट्स/एलएससी में पूर्ण इनडोर और आउटडोर कार्यों के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की आपूर्ति, डिजाइनिंग, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग सहित विंध्याचल, चुनार और कैलहट स्टेशन पर मौजूदा ईआई में परिवर्तन सहित मिर्जापुर जिगना, पहाड़ा और डगमगपुर स्टेशन पर पूर्ण इनडोर और आउटडोर कार्यों के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की आपूर्ति, डिजाइनिंग, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।

कार्य की अनुमानित लागतः ₹ 496117917.89 (रुपये उनचास करोड़ इकसठ लाख सत्रह हजार नौ सौ सत्रह और नवासी पैसे मात्र)।

धरोहर राशिः ₹ 2630600/- (रुपये छब्बीस लाख तीस हजार छः सौ मात्र)।

कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह।

निविदा जमा होने की अन्तिम तिथिः 02.06.2025 समय 15:00 बजे तक जमा होगा।

निविदा खुलने की तिथिः 02.06.2025 समय 15:30 बजे खुलेगा।

निविदा संबंधी पूर्ण जानकारी हेतु भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें। 812/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

# सम्पादकीय.....

## हेराम यह कैसा संघर्ष विराम

संघर्ष विराम की घोषणा के बाद पाकिस्तानी सेना जो दुसाहस दिखा रही है वह पूरी दुनिया देख रही है। यह पहला अवसर नही इस तरह की वायदा खिलाफी और सहमति को पाकिस्तान कई बार नकार चुका है। संघर्ष विराम समझौते के कुछ ही घंटों बाद, जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संघर्ष विराम समझौते पर सवाल उठाए, क्योंकि शनिवार शाम श्रीनगर में जोरदार धमाकों की आवाजें गूंज उठीं।अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा, संघर्ष विराम को आखिर क्या हो गया ? श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गई। यह कोई संघर्ष विराम नहीं है। श्रीनगर के बीच में हवाई रक्षा इकाइयों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। यहा भारत सरकार को भारत पाक के बीच अमरीका की कूटनीति और व्यापारनीति को भी समझना होगा। अमरीका के लाख प्रयास के बाद भी रूस द्वारा यूक्रेन खिलाफ युद्ध विराम ना करना भारत के लिए एक बड़ा संकेत है। यहॉ अमरीका की कूट और व्यापार नीति को उजागर करने वाली दिसंबर 2024 के संघर्ष सूचकांक की रपट बताती है कि पिछले पांच वर्षों में, संघर्ष का स्तर लगभग दोगुना हो गया है। यह काफी हद तक उस समय के दौरान शुरू होने या फिर से शुरू होने वाले तीन बहुत बड़े संघर्षो यूक्रेन, गाजा और म्यांमा के कारण है। साथ ही सूडान, मैक्सिको, यमन और साहेल देशों सहित संघर्ष की उच्च दर वाले कई अन्य देशों में जारी हिंसा के कारण है। गाजा में इन हताहतों में कम से कम 21.5 फीसद का योगदान था। एमईएन क्षेत्र में मौत में 315 फीसद की वृद्धि हुई।गाजा और यूक्रेन में अमेरिका की गहरी संलिप्तता है। अमेरिका अक्सर अपने प्रमुख संपयों को भी बुद्ध के रूप में वर्गीकृत नहीं करता है, जिनमें हर साल कम से कम 1,000 मौत होती हैं। इराक, अफगानिस्तान, फारस की खाड़ी, कोरिया, वियतनाम के बड़े संघर्ष युद्ध के रूप में वर्गीकृत होने से बच गए हैं।जानकारों को आशंका है कि 2025 में इजराइल, गाजा, वेस्ट बैंक, लेबनान, ईरान, इराक, सीरिया, यमन, म्यांमा, मैक्सिको, बुर्किना फासो, माली, नाइजर, सूडान, यूक्रेन, कोलविया, पाकिस्तान रवांडा, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो, युगांडा और बुरुंडी में हालात और खराब हो जाएंगे। अमेरिका ने इनमें से कई देशों को पहले ही उकसाया है। 2022 में अमेरिका ने अकेले यूक्रेन को 18.1 अरब डालर के हथियार दिए। 2023 में यह बढ़कर 80.9 अरब डालर हो गया। दुनिया भर में बिक्री 238 अरब डालर की थी, जिसमें से 81 अरब डालर के लिए अमेरिकी सरकार ने सीधे बातचीत की, जो 2022 से 56 फीसद की वृद्धि है। 2023 में अमेरिका ने इजराइल को 21.2 अरब डालर दिए 2024 में यह बढ़कर 42. 76 अरब डालर हो गया। यानि की अमरीका अपनी चौधराहट बहाल रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। पाकिस्तान संघर्ष विराम के लिए विवश तो हुआ, लेकिन शायद आसानी से सुधरने के लिए तैयार नहीं है। यह इससे स्पष्ट है कि उसने संघर्ष विराम को कुछ ही घंटों के अंदर तोड़ने की हिमाकत की। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की ध ज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।कहना कठिन है कि क्या इससे बचने के लिए उसने संघर्ष विराम तोड़ा या फिर धोखेबाजी की अपनी आदत के चलते? जिसे संघर्ष विराम कहा जा रहा, उसे ऐसा सीमित युद्ध कहा जाना चाहिए, जिसमें भारत कोई रियायत बरतने के लिए तैयार नहीं था। यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर बिल्कुल सही किया।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि ध ोखा देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। संघर्ष विराम की घोषणा के चंद घंटों के भीतर पाकिस्तान की हरकत क्या लगता है कि वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तानी सेना आतंक का सहारा लेना बंद करे। इसका पता तब चलेगा, जब पाकिस्तानी सेना आतंकियों की फौज तैयार करना बंद करेगी। पाकिस्तान की हरकतों को देखते हुए यह आसान नहीं दिखता, लेकिन भारत का लक्ष्य यही होना चाहिए कि वह सिर न उठाने पाए। यह उससे बातचीत करने से संभव नहीं। यह तो तभी संभव है, जब भारत उसके प्रति वैसी ही कठोरता दिखाता रहेगा, जैसे उसने आपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई।पाकिस्तान संघर्ष विराम के लिए विवश तो हुआ, लेकिन शायद आसानी से सुधरने के लिए तैयार नहीं है। भारत के प्रति नफरत के चलते पाकिस्तानी सेना और सरकार यह समझने को तैयार नहीं कि वह अपने देश को तबाही की ओर ले जा रही है।

# अब तकनीक बदलने लगी है युद्ध की तकदीर

डॉ. संजय वर्मा

युद्धों का इतिहास बताता है कि कोई भी जंग सबसे पहले मनोवैज्ञानिक स्तर पर लड़ी जाती है। खास तौर से सैनिकों में यह मनोबल उनके प्रशिक्षण, उन्हें प्रदान किए गए हथियारों और उनके देश की हैसियत के आधार पर विकसित होता है। लेकिन तकनीक और विज्ञान की तरक्की की बदौलत युद्धों के नियम और शैलियां बदल गई हैं। अब जरूरी नहीं रहा कि किसी जंग में सैनिकों की भारी तादाद किसी मोर्चे पर तैनात हो। या फिर सैनिक खुद आमने–सामने की जंग लड़ें, जिसके आधार पर हार–जीत का फैसला हो। बल्कि अब इसमें तकनीक की भूमिका सबसे अहम और प्राथमिक हो गई है। चाहे हमला करना हो या फिर दुश्मन की भेजी मिसाइलों–ड्रोन्स से खुद का बचाव करना हो, आज युद्धों में तकनीक सबसे असरदार और सटीक भूमिका निभा रही है। ताजा मिसाल 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों 26 लोगों की निर्मम हत्या के बाद 6–7 मई की दरम्यानी रात भारत की ओर से, इस घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान और पाक–कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई कार्रवाई है। भारत ने पाकिस्तान के जिन 9 स्थानों पर मौजूद आतंकी ढांचों पर हवाई हमला किया, उसमें अत्याधुनिक तकनीक से विकसित हथियारों (मुख्यतः मिसाइलों और ड्रोन) का ही इस्तेमाल किया गया। यही नहीं, सटीक हमले से बौखलाए पाकिस्तान ने 7 और 8 मई, 2025 को भारतीय सीमा में जो मिसाइलें छोड़ीं और ड्रोन भेजे, प्रायः उन सभी को भारत ने तकनीक के बल पर नाकाम किया। दोनों ही मामलों में साबित हुआ कि परखी गई उन्नत तकनीक के आधार पर कैसे दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया जा सकता है और उसकी कार्रवाई से कितनी सटीकता से बचाव संभव है। निश्चय ही, विज्ञान और तकनीक ने युद्धों को बदल दिया है। इसे भारत–पाकिस्तान के हालिया संघर्ष के उदाहरणों को देखना होगा। पहलगाम हमले के दोषी आतंकियों के पाकिस्तान और पीओके में मौजूद ठिकानों पर 7 मई रात भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जो कार्रवाई की, उसमें खासकर न तो हमारे सैनिकों ने और न ही लड़ाकू विमानों ने आक्रमण के लिए नियंत्रण रेखा पार की। इस आक्रमण के लिए हविट्जर और धनुष तोपों, कामिकाजी नामक आत्मघाती ड्रोन, लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले आध ुनिक हथियारों के अलावा युद्धक विमानों– राफेल, मिराज–2000 और सुखोई–30 से स्कैल्प मिसाइलों और स्पाइस–2000 नामक बमों का इस्तेमाल किया गया। दावा है कि दागे गए ज्यादातर बम प्रेसिजन गाइडेड आर्टिलरी एम्युनिशन से लैस थे। नियंत्रण रेखा पार किए बिना अपनी सीमा से ही आतंकी ढांचों को ध्वस्त करने की इस कार्रवाई में दर्जनों आतंकवादी मारे जाने और लश्करे–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हिज्बुल के मुख्यालय ढहने की तस्वीरें खुद पाकिस्तानी मीडिया ने प्रसारित कीं। हालांकि यह सटीक कार्रवाई आतंकी ढांचों और आतंकवादियों के खिलाफ थी, लेकिन पाकिस्तानी सरकार ने इसे आम नागरिकों पर हमला बताया और 8 मई को भारतीय सीमा पर गोलाबारी के अलावा लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इनमें से भारत के पुंछ में एक दर्जन से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की जान गई। जम्मू–अमृतसर से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक सीमा पार कर आई मिसाइलें, ड्रोन और लड़ाकू विमान भारत की अत्याधुनिक बचाव प्रणाली की सक्रियता के कारण नाकाम हो गए। इन प्रणालियों में जिसे सबसे ज्यादा असरदार माना गया है, वह रूस से 2018 में खरीदा गया एस–400 सिस्टम है जो असल में लंबी दूरी यानी 500 किलोमीटर दूर से आ रहे ड्रोन, बैलेस्टिक मिसाइल या लड़ाकू विमानों का समय रहते पता लगाकर उन्हें हवा में ही नष्ट करने वाला लॉन्ग रेंज इंटरसेप्टर है। दावा है कि इसकी तीन सक्रिय यूनिटें भारत के पास हैं, जो अलग–अलग स्थानों पर तैनात हैं। यह इंटरसेप्टर चार चरणों में काम करता है। पहले चरण में इसका ट्रांसपोर्ट इरेक्टर लॉन्चर नजदीक आ रहे ड्रोन या मिसाइल का पता लगाता है। दूसरे चरण में इसका सर्विलांस रेडार ड्रोन आदि की दूरी व गति का आकलन कर कमांड वाहन को उसे रोकने का निर्देश देता है। तीसरे चरण में कमांड और कंट्रोल वाहन दुश्मन के ड्रोन या मिसाइल की लोकेशन तय कर उसे मिसाइल से मारने के निर्देश देता है और चौथे चरण में गाइडेंस रेडार टारगेट पर तेजी से मिसाइल छोड़ता है। यह एक ही समय में कई ड्रोन या मिसाइलों का पता लगाकर उन्हें हवा में ही नष्ट कर डालती है। लेकिन भारत सिर्फ एस–400 पर ही आश्रित नहीं है। इसके अलावा हमारे देश के पास मध यम दूरी का इंटरसेप्टर– एमआरएसएएम भी है जो 70 किलोमीटर रेंज में ड्रोन आदि को हवा में तबाह कर डालता है। साथ ही स्वदेशी शॉर्ट रेंज इंटरसेप्टर – आकाश है जो 25–30 किमी की रेंज में एक साथ चार लक्ष्यों (टारगेट) को हवा में नष्ट कर सकता है। जमीन से हवा में मार करने वाला स्पाईडर नामक मिसाइल सिस्टम कम ऊंचाई पर उड़ रहे ड्रोन या मिसाइल को नष्ट कर सकता है। रूस से हासिल किया गया क्लोज रेंज इंटरसेप्शन (इग्ला–एस) सिस्टम भी है, जो लड़ाकू विमान, ड्रोन या मिसाइल को 5–6 किमी की रेंज में नष्ट करने में सक्षम है। बचाव की इन आधुनिक तकनीकों में हालांकि विश्व स्तर पर अमेरिका के थाड (टर्मिलन हाई अल्टीट्यूड एरिया डिफेंस), इस्राइल की डेविड्स स्लिंग और एरो प्रणाली तथा आयरन डोम, अमेरिका की जीएडी व एजिस कॉन्बैट प्रणाली, रूस की एस–500 प्रोमेतेई और चीन की एचक्यू–19 और एचक्यू–22 प्रणालियों का नाम भी लिया जाता है। लेकिन चीनी प्रतिरक्षा प्रणाली की नाकामी दुनिया ने हाल में देखी, जब इसका उपभोक्ता देश पाकिस्तान इनके बल पर भारतीय ड्रोन और मिसाइलों को रोकने में असफल रहा। आधुनिक युद्धक हथियारों के लिए हमेशा दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। जरूरी है, भारत खुद ऐसी तकनीकों, युद्धक विमानों, ड्रोन और हथियारों का विकास करे जिन्हें जरूरत के अनुसार बड़ी संख्या में बनाया–तैनात किया जा सके। जैसे, हाल ही (13 अप्रैल 2025) में भारत के डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन) ने देश के पहले स्वदेशी हाई–एनर्जी लेजर वेपन का सफल परीक्षण किया है जो फिलहाल पांच किलोमीटर के हवाई दायरे में मौजूद ड्रोन आदि का पता लगाकर उन्हें भस्म कर सकता है। एमके–2 ए नामक इस सिस्टम की फिलहाल क्षमता 30 किलोवॉट ही है, इससे छोटे ड्रोन हवा में नष्ट किए जा सकेंगे। लेकिन भविष्य में तीन सौ किलोवॉट क्षमता वाले सूर्या नामक जिस लेजर हथियार को विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है, वह 20 किलोमीटर के हवाई क्षेत्र में मौजूद ड्रोन को नष्ट कर सकेगा। यह सिस्टम प्रकाश की गति से दुश्मन के ड्रोन या वॉरहेड को सटीकता के साथ लेजर किरणें फेंककर सेकंडों में नष्ट कर सकता है या उसे अंधा बना सकता है। दावा है, यह लेजर हथियार लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों और उपग्रहों तक में लगाया जा सकता है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद ऐसा लेजर हथियार विकसित करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बताया जाता है। इस तरह के 'एयरबॉर्न लेजर प्रोजेक्ट' के बारे में सबसे पहले दशकों पहले अमेरिका में सोचा गया था जब वर्ष 2008 में बुश प्रशासन ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर एक रिपोर्ट में कहा था कि इससे न सिर्फ अमेरिका अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा सकता है, बल्कि दूसरे देशों को अंतरिक्ष में बढ़त लेने से रोक सकता है। यह योजना उस मिसाइल प्रतिरक्षण प्रणाली की योजना का हिस्सा बताई गई थी, जिसमें दुनिया में कहीं पर भी मिसाइलें दाग सकने और अपनी ओर आ रही मिसाइलों को मार्ग में ही नष्ट करने की क्षमता विकसित करने को कहा गया था। बताते हैं कि अमेरिका ने लंबे समय तक जिस 'एयरबॉर्न लेजर प्रोजेक्ट' पर काम किया है, वह कई तरह के हथियारों के बारे में था। इस बारे में यहां तक कहा गया था कि अंतरिक्ष में एटम बम रखे जा सकते हैं। वहां ऐसे उपकरण तैनात हो सकते हैं, जो लेजर किरणें फेंककर सब कुछ तबाह कर सकते हैं। पार्टिकल बीम, कायनेटिक किल वैपन्स और मिसाइलों के अलावा और भी अनेक हथियार हैं, जो अंतरिक्ष से कहर बरपा सकते हैं। इनमें अपारंपरिक श्रेणी के 'फार आउट वैपन' कहलाने वाले स्पेस बग्स, स्पेस हैकर्स, ई–बम, प्रोपल्शन सिस्टम, स्पेस फाइटर, एलियन टेक्नोलॉजी और प्लाज्मा वैपंस तक शामिल हैं। सैद्धांतिक तौर पर कोई भी देश अंतरिक्ष के रास्ते जंग नहीं छेड़ सकता। क्योंकि अमेरिका, रूस और चीन आदि देशों ने 1967 की उस बाह्य अंतरिक्ष संधि पर दस्तखत कर रखे हैं, जिसके मुताबिक वे पृथ्वी की कक्षा में या उससे बाहर अंतरिक्ष में हथियारों से लैस कोई भी यान या रॉकेट नहीं भेज सकते। लेकिन इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि कोई देश अंतरिक्ष में या अंतरिक्ष की ओर से पृथ्वी पर अपने विनाशक हथियारों का प्रयोग कर बैठे। बल्कि गाहे–बगाहे ऐसा प्रयोग करके ये देश अंतरिक्ष से लड़ी जाने वाली जंगों की तैयारी संबंधी अपनी ताकत का अंदाजा देते रहे हैं।

## पहलगाम–हमला

रघुकुल रीती सदा चली आई,
जे जइसन करी,उ ओइसन पाई ।

पहलगाम हमला के दुरूख,बहुते बा भाई,
निर्दोषन के ऊपर,गोली मरलें कसाई।

ओहि के बदला,अब चुन–चुन के लियाई,
अभी त सेनुरें दान भईल ह,बाचल बा विदाई।

लागता भुला गइल रहलें,ई–1971 के लड़ाई,
जब ठेंगुना पर बैठ के,करत रहलें बाप माई।

केहू केतना सही ए भईया,आ कबले सहाई...
ए दुष्ट पापियन के त बस,इहे बा दवाई।

जेकरा खहूं के ना ठेकान,आ कमर तोड़लस महंगाई,
उ भीखमंगवों अब,हमनी के परमाणु दिखाई?

बाबू कश्मीर के सपना,तोहार सपने रही जाई,
जे फेर बऊरइल,त अबकी फ़तिहा पढ़ाई।

केहू केतनो होई हमदर्द,बाकी बचा ना पाई...
अब छोड़ द आतंकवाद,तोहार एहिमें बा भलाई।

सुन्नत आ कलमां पूछ के,तू दिहला गोली चलाई,
बेकसूर मारल गइलें,केतने भाई–बहिन,बाप माई।

इंसानियत और भाईचारा,के दिहला मुआईं,
निहत्थन के मार के,सोचला बहादुर कहाईं?

नामर्द नियन हरदम,छुप–छुप के तू करबा लड़ाई,
ना दम बाजू और कलेजे में,जे सामने से आ जाई?

1971 में त,दुईये भाग में तू गईल बटाई,
बाकी ई 2025 के भारत ह,नक्शा से नाम मिटाई।

रघुकुल रीती सदा चली आई,
जे जइसन करी,उ ओइसन पाई.....

**आशीष कुमार सैनी**
पुराछात्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

## आपरेशन सिंधुर

जब जब बात सिंधुर की आयी है ,
तब तब नारी ने तलवार उठायी है ।
इतिहास साक्षी वीरांगनाओं की है
शौर्य गाथा ने उदाहरण बनायी है ।
नारी दुर्बलता का चिह्न नहीं है ,
चण्डी सा रौद्र रूप दिखायी है।
अपमान घूंट पी मीरा कहलायी है ,
कांटों की राह चल सीता बनती है ।
तो पति इच्छा– अहिल्या बनती है
देशोद्धार झांसी की रानी समायी है ।
आज राष्ट्र हित सेना हुंकार सुनायी है
नारी ने भी अपूर्व वीरता दिखायी है ।
देश वीर सपूतों ने शपथ खायी है
इन सिंहों को भारत की माई ने जायी ( जन्म) है।।

**कवि: विश्वजीत चौवे**
सिधारी हाइडिल, आजमगढ़ (उत्तर.प्रदेश)

## उठो पार्थ

केर और बेर का साथ, मर्यादाओं का बन्धन है,
मर्यादा का चीरहरण, केर को फटना पडता है।
बनी रहे शान्ति जग में, ताक़त का अहसास ज़रूरी,
बुद्ध की प्रासंगिकता हेतु, युद्ध भी करना पड़ता है ।

चाकू खरबूजे का रिश्ता, बस कटना खरबूजे को,
मुस्लिम हिन्दू भाईचारा, चारा बनना बस दूजे को।
पहला तो बस भाई है, अल्पसंख्यक पहचान बनी,
सदा सहिष्णु हिन्दू दोषी, सहन कर रहा दूजे को।

नमक और दूध का रिश्ता, दूध को फटना पडता है,
मानवता हित विष घट तो, शिव को पीना पड़ता है।
सभी देवगण धर्म के हित, अस्त्र साथ में रखते हैं,
सोच रहे बुद्ध बन जीना, अधर्मी से मरना पडता है।

उठो पार्थ! अब अस्त्र सँभालो, धर्मयुद्ध की बेला में,
भाई चारा मिथ्या भ्रम है, कुरूक्षेत्र की रण बेला में।
किंचित भी अवसाद करो ना, कौन बचा कौन मरा,
धर्म पालन करना सीखो, राष्ट्र हितों की बेला में।

**डॉ. कीर्ति वर्द्धने**
सिधारी हाइडिल, आजमगढ़ (उत्तर.प्रदेश)

# संकट का व्यापारः महंगाई, मुनाफाखोरी और सरकारी चेतावनी

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

राशन की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के दावे एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे या जमीनी स्तर पर भी असर दिखाएंगे? इतिहास गवाह है कि संकट के समय महंगाई, जमाखोरी और भ्रष्टाचार बढ़ जाते हैं, और प्रशासनिक उदासीनता से हालात और बिगड़ते हैं। असली सुधार के लिए पारदर्शी वितरण, तकनीकी निगरानी और सख्त दंड जरूरी हैं, वरना यह भी महज एक खोखला नारा बनकर रह जाएगा। जब भी किसी देश में संकट का साया मंडराता है, सबसे पहले आम जनता पर इसका असर पड़ता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि संकट के दौर में महंगाई, कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देशभर में खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कालाबाजारी की खबरें सुर्खियों में हैं। इन मुश्किल हालातों के बीच सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है। सवाल यह है कि क्या इन घोषणाओं से वास्तव में कोई फर्क पड़ेगा या फिर यह भी अन्य सरकारी वादों की तरह सिर्फ कागजी सख्ती बनकर रह जाएगी? इतिहास गवाह है कि जब–जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है, तब–तब न केवल सीमावर्ती इलाकों में, बल्कि पूरे देश में खाद्य पदार्थों और ईंधन की किल्लत का माहौल पैदा हुआ है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। राजनीतिक लाभ के लिए कई बार जमाखोरी और कालाबाजारी को न केवल नजरअंदाज किया जाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित भी किया जाता है। सरकारें अक्सर महंगाई और किल्लत को श्राष्ट्रीय सुरक्षाश के नाम पर सही ठहराती रही हैं। यह एक प्रचलित नीति है कि संकट के समय लोगों का ध्यान भटकाने के लिए देशभक्ति की भावना को उभारा जाता है, लेकिन इसका खामियाजा आम नागरिक को भुगतना पड़ता है। सरकार द्वारा जारी सख्त निर्देशों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। आमतौर पर, प्रशासनिक अधिकारी इन्हें गंभीरता से नहीं लेते या फिर स्थानीय व्यापारियों और नेताओं के दबाव में आंखें मूंद लेते हैं। यह एक खुला राज है कि कालाबाजारी करने वाले अक्सर राजनीतिक संरक्षण में फलते–फूलते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सिर्फ आदेश जारी कर देने से समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या प्रशासनिक मशीनरी अपने काम में पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य करेगी या फिर यह भी केवल फाइलों में बंद होकर रह जाएगा? जब जमाखोरी होती है, तो इसका सबसे बुरा असर आम जनता पर पड़ता है। महंगाई आसमान छूने लगती है, जरूरी वस्तुएं बाजार से गायब हो जाती हैं, और लोगों को मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। सरकारें राहत पैकेज और सस्ते राशन की योजनाएं तो बनाती हैं, लेकिन उनका लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचना अक्सर एक चुनौती बन जाता है। इसके पीछे केवल भ्रष्टाचार ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को इसका सबसे अधिक खामियाजा उठाना पड़ता है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन क्या यह वादा हकीकत में बदल पाएगा? क्या सरकारी तंत्र इस बार वाकई में सख्त रुख अपनाएगा या फिर यह भी अन्य सरकारी निर्देशों की तरह समय के साथ फीका पड़ जाएगा? वास्तविक सुधार तभी संभव है जब सरकार अपने सख्त निर्देशों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए ठोस कदम उठाए। हर जिले में वस्तुओं की उपलब्धता और वितरण की पारदर्शी जानकारी दी जाए। इससे आम जनता को वस्तुओं की वास्तविक स्थिति का पता चल सके और अफवाहों का अंत हो।डिजिटल प्लेटफॉर्म और ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग कर स्टॉक और मूल्य में पारदर्शिता लाई जाए। तकनीकी साधनों का उपयोग करके जमाखोरी और कालाबाजारी की निगरानी करना आज के डिजिटल युग में आसान हो सकता है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ–साथ सार्वजनिक रूप से नाम उजागर किया जाए ताकि लोग इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें। जनता को इस लड़ाई में भागीदार बनाया जाए ताकि कालाबाजारी करने वालों की पहचान आसानी से हो सके। सामुदायिक सतर्कता समूहों का गठन किया जाए जो नियमित रूप से बाजार की स्थिति पर नजर रखें। संकट के समय गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक सहायता और सब्सिडी के माध्यम से राहत दी जाए। सिर्फ घोषणाओं से समस्याएं खत्म नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। अगर सरकार वास्तव में कालाबाजारी पर नकेल कसना चाहती है, तो उसे अपनी नीतियों और प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना होगा। वरना, यह सख्ती भी महज एक खोखला नारा बनकर रह जाएगी। जनता को भी सतर्क रहना होगा, ताकि कोई जमाखोर उनका हक न छीन सके।

केवल आदेश और घोषणाओं से समस्याएं समाप्त नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। सरकार को यह समझना होगा कि महंगाई और कालाबाजारी का मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि एक नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है। जब तक प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और इच्छाशक्ति नहीं होगी, तब तक जमीनी सुधार की उम्मीद बेमानी है। सरकारी नीतियों का केवल कागजी सख्ती तक सीमित रह जाना न केवल जनता के साथ विश्वासघात है, बल्कि एक लोकतांत्रिक देश के मूल सिद्धांतों का भी अपमान है। इसके अलावा, आम जनता को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों की पहचान में सहयोग करना, जरूरतमंदों की मदद करना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना समय की मांग है। सिर्फ आलोचना से समस्या का हल नहीं होगा, बल्कि सामूहिक प्रयास से ही एक स्वस्थ और समतामूलक समाज का निर्माण हो सकता है। वरना यह सख्ती भी महज एक श्खोखला नाराश बनकर रह जाएगी, और आम आदमी का संघर्ष कभी खत्म नहीं होगा।

# इंडिया-पाकिस्तान सीजफायर पर रवीना टंडन की सीधी बात-कभी भी भारत फिर से लहूलुहान नहीं होना चाहिए

रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए भारत-पाक सीजफायर पर रिएक्ट किया और लिखा-अगर ये (सीजफायर) सच है, तो ये एक स्वागत के काबिल फैसला है, लेकिन कोई गलती न करें, जिस दिन भारत फिर से स्टेट स्पॉन्सर आतंकवाद से लहूलुहान होगा, ये जंग की कार्रवाई होगी और फिर इसके लिए भुगतान करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के तीन दिन बाद शनिवार को भारत–पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ, लेकिन पाकिस्तान ने इसके 3 घंटे बाद ही इसका उल्लंघन कर दिया। वहीं, सीजफायर की खबर सुनते ही आम लोगों से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स को राहत की सांस मिली और वे इस पर रिएक्ट करते नजर आए। इन्हीं में से एक रवीना टंडन का सीजफायर पर पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए भारत–पाक सीजफायर पर रिएक्ट किया और लिखा–अगर ये (सीजफायर) सच है, तो ये एक स्वागत के काबिल फैसला है, लेकिन कोई गलती न करें, जिस दिन भारत फिर से स्टेट स्पॉन्सर आतंकवाद से लहूलुहान होगा, ये जंग की कार्रवाई होगी और फिर इसके लिए भुगतान करना होगा। आर्अएमएफ को इस बात पर नजर रखनी चाहिए कि उनका पैसा कहां जाता है, बड़ी शक्तियों ने अपने पिछले कर्जों का भुगतान करने के लिए या और गोला–बारूद खरीदने के लिए या जो भी हो, इस कर्ज को मंजूरी दी होगी, लेकिन अभी और कभी भी भारत फिर से लहूलुहान नहीं होना चाहिए। रवीना ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा–सीजफायर लेकिन कुछ बातें बिलकुल स्पष्ट हैं। मैं एक नागरिक के तौर पर अपने देश का हर मुमकिन तरीके से सपोर्ट करूंगी। मेरा देश मेरा जीवन, भारत हमेशा। इससे हमें पता चल गया है कि कौन दोस्त है और कौन नहीं। मेरे देश का दुश्मन मेरा दुश्मन है। दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ तेजी से काम करना चाहिए। एक्ट्रेस का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया और यूजर्स इस पर अपनी खूब प्रतिक्रिया देते नजर आए।

## मदर्स डे पर भावुक हुए सनी देओल और अनुपम खेर, बिना कुछ मांगे, मां ने सब कुछ दिया

मां एक ऐसा नाम, जिसमें पूरी दुनिया समाई होती है। वह न सिर्फ जन्म देती है, बल्कि अपनी हर सांस में हमें जीना सिखाती है। उनके बिना सब कुछ अधूरा लगता है। उनका प्यार बिना शर्त और बिना उम्मीद के होता है। शायद इसलिए कहा जाता है कि भगवान हर जगह नहीं हो सकता, इसलिए उसने मां बनाई है। मदर्स डे के इस मौके पर हर किसी ने अपनी मां को याद किया, लेकिन कुछ सेलिब्रिटीज की पोस्ट ने दिल को छू लिया। सनी देओल और अनुपम खेर जैसे बेहतरीन कलाकारों ने इस दिन को बेहद भावुक अंदाज में मनाया। सनी देओल ने अपनी मां प्रकाश कौर के साथ लिए गए कई फोटोज को मिलाकर एक वीडियो बनाई और उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, उस महिला को, जिसने मुझे सब कुछ दिया, बिना कभी कुछ मांगे... आपका प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है। मदर्स डे की शुभकामनाएं, मां। वहीं अनुपम खेर ने भी मां दुलारी खेर के नाम इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने इंस्टा पोस्ट में अपनी मां की सिंगल फोटो शेयर की, जिसमें वह हंसती हुई नजर आ रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा–आप सभी को मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! दोनों एक्टर्स के वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी फिलहाल बॉर्डर 2 की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी लीड रोल में हैं। अनुराग सिंह की इस निर्देशित फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और निधि दत्ता कर रहे हैं, जबकि शिव चानना और बिनॉय गांधी सह–निर्माता हैं। यह 1997 की हिट फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं अनुपम खेर की अपकमिंग फिल्म तन्वी द ग्रेट सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता लगातार पोस्ट शेयर कर दर्शकों को अपडेट देते रहते हैं। उनके निर्देशन में तैयार फिल्म में ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने संगीत दिया है। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम) के साथ मिलकर किया है।

## सीज फायर उल्लंघन की खबर सुन आहत दीपिका कक्कड़ ने पुराने दिनों को किया याद

भारत–पाकिस्तान सीजफायर से आहत टीवी की जानी–मानी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने सोशल मीडिया पोस्ट में दिल का दर्द बयां किया। पाकिस्तान की कायराना हरकत और आतंकवाद को लेकर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अपनी इंस्टापोस्ट में दीपिका ने लिखा, कुछ ही घंटों में युद्धविराम का उल्लंघन... पाकिस्तान की एक और कायरतापूर्ण हरकत! यह न केवल समझौते की भावना का अनादर है, बल्कि शांति की उम्मीद पर भी प्रहार है! पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को शरण देता है और फिर दिखावे के लिए कहता है कि उसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। यह उनकी पुरानी आदत है! एक आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते मैंने बचपन से ही युद्ध की पीड़ा को सुना और महसूस किया है। युद्ध सैनिकों और उनके परिवारों के लिए बेहद दर्दनाक और डरावना अनुभव होता है!!! और सीमा के पास रहने वाले आम नागरिकों के लिए भी यह समय कितना भयानक होता है, इसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। कोई भी युद्ध नहीं चाहता। सब यही चाहते हैं कि समस्या का समाधान हो, शांति बनी रहे। लेकिन जब सामने वाला देश कुछ और कहता है और करता कुछ और है, तो फिर जवाब देना ही एकमात्र रास्ता बचता है, अपने देश और लोगों की सुरक्षा के लिए। हमारे जवान डटे हुए हैं। भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल रोकने पर सहमति जताई। अचानक सीजफायर की घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर की। इसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने औपचारिक घोषणा की। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा, ष्अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। कॉमन सेंस और महान बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने के लिए दोनों देशों को बधाई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आप लोगों का धन्यवाद! इस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू–कश्मीर में रात के समय ड्रोन से हमला किया। हालांकि सुबह होते–होते सरहदी इलाकों में शांति दिखी, किसी तरह की गोलाबारी की खबर नहीं आई।

## दंगल के मेकअप आर्टिस्ट के निधन से टूटे आमिर खान, भावुक पोस्ट शेयर कर बोले-हम आपको याद करेंगे दादा

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने मेकअप आर्टिस्ट विक्रम गायकवाड़ अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका बीते दिन मुंबई में निधन हो गया है, जिससे पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, विक्रम के निधन से दुखी आमिर खान ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी। आमिर खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई, जिसमें उन्होंने लिखा–बहुत दुख के साथ हमें बेहतरीन मेकअप आर्टिस्ट विक्रम गायकवाड़ को अलविदा कहना पड़ रहा है। हमें उनके साथ दंगल, पीके और रंग दे बसंती जैसी फिल्मों में काम करके बहुत अच्छा लगा। वह अपने काम में मास्टर थे। उनके काम ने कई कलाकारों को जबरदस्त किरदारों में बदल दिया जो स्क्रीन पर हमेशा जिंदा रहेंगे। मेरी और आमिर खान प्रोडक्शंस के सभी लोगों की ओर से उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। हम आपको याद करेंगे दादा। बता दें, विक्रम गायकवाड़ का अंतिम संस्कार कल 10 मई की शाम दादर के शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर किया गया। उनके छोटे भाई ने बताया कि उन्हें तीन दिन पहले ब्लड प्रेशर की समस्या की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जब उन्हें भर्ती कराया गया था तब वह बिल्कुल ठीक थे। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वह इतनी जल्दी उन्हें छोड़कर चले जाएंगे। विक्रम गायकवाड़ को उनके शानदार काम के लिए कई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने साल 2010 में 'मोनर मानुष' के लिए सर्वश्रेष्ठ मेकअप आर्टिस्ट का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। इसके बाद उन्होंने 'बालगंधर्व', 'द डर्टी पिक्चर' और 'जातिश्वर' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अपने नाम किया।

## देशभक्तिसिर्फ फिल्मों में.. सीजफायर पर पोस्ट कर कुछ ही मिनटों में सलमान ने किया पोस्ट, लोगों ने किया जमकर ट्रोल

पिछले कुछ हफ्तों से भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत लिया और कई च्वज्ञ में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें ध्वस्त कर दिया। इसके बाद दोनों देशों में हालात बेहद गंभीर हो गए। इन सबके बीच 10 मई को अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया गया। इस घोषणा के बाद कई लोगों के रिएक्शन सामने आए। इस बीच एक्टर सलमान खान ने भी पोस्ट कर सीजफायर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। हालांकि, कुछ देर बाद ही उन्होंने अपनी यह पोस्ट डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक काफी देरी हो चुकी थी और लोग उन्हें उनके पोस्ट के लिए ट्रोल करने लगे। सलमान ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर किए ट्वीट में लिखा था– सीजफायर के लिए आपका शुक्रिया भगवान, लेकिन चंद मिनटों में यह पोस्ट हटाने के लिए उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया गया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने कड़ी नाराजगी जाहिर और लिखा, "मैं 15 साल से सलमान का फैन था, लेकिन अब उनसे नफरत हो गई है।" वहीं एक ने उन्हें पाकिस्तान की महिलाओं का गुलाम तक कह डाला और आरोप लगाया कि सलमान सिर्फ फिल्मों में देशभक्ति दिखाते हैं, असल में नहीं। कई लोगों ने यह सवाल भी उठाया कि सलमान ने इतने संवेदनशील मुद्दे पर पहले चुप्पी साधे रखी और फिर जब बोले भी, तो पोस्ट हटाने जैसा कदम क्यों उठाया? हालांकि, पोस्ट डिलीट करने पर सलमान खान की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने अपनी पोस्ट की टाइमिंग को देखते हुए इसे हटाने का फैसला किया होगा। उन्होंने यह पोस्ट रात 9 बजकर 9 मिनट पर शेयर की थी, लेकिन उसी समय पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए दोबारा भारत पर हमला शुरू कर दिया था। ऐसे में, हो सकता है कि सलमान को यह पोस्ट उस परिस्थिति में असंवेदनशील लगी हो और उन्होंने उसे डिलीट कर दिया।

## अपनी स्किन टाइप के अनुसार चुनें ओवरनाइट रिपेयर मास्क, मिलेगा भरपूर पोषण

अगर आपकी स्किन रूखी है तो आप शहद, नारियल तेल व एलेवेरा जेल की मदद से मास्क बना सकती हैं। शहद एक प्राकृतिक नमी प्रदान करने वाला पदार्थ है, नारियल तेल गहरी नमी प्रदान करता है, और एलोवेरा रूखी स्किन को आराम पहुंचाता है।

हम सभी की स्किन अलग होती है और यही वजह है कि हम सभी को अपनी स्किन टाइप का ख्याल रखते हुए सही प्रोडक्ट्स का चयन करते हैं। लेकिन बार–बार महंगे स्टोर–बॉट उत्पादों पर निर्भर रहना भी अच्छा नहीं माना जाता है, क्योंकि कहीं ना कहीं इससे आपकी जेब पर अतिरिक्त जोर पड़ता है। ऐसे में सबसे अच्छा होता है कि आप कुछ होममेड व नेचुरल तरीकों का सहारा लें। अगर आप अपनी स्किन की बेहतर तरीके से केयर करना चाहते हैं तो ऐसे में ओवरनाइट रिपेयर मास्क इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। जब आप ओवरनाइट रिपेयर मास्क का इस्तेमाल कर रही हैं तो ऐसे में आप अपनी स्किन टाइप का खास ख्याल रखें। इन ओवरनाइट हेयर मास्क को बनाना काफी आसान होता है और आप सोते–सोते ही अपनी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रख पाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ ओवरनाइट रिपेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपनी स्किन टाइप के अनुसार इस्तेमाल कर सकते हैं–

रूखी त्वचा के लिए ओवरनाइट मास्क

अगर आपकी स्किन रूखी है तो आप शहद, नारियल तेल व एलेवेरा जेल की मदद से मास्क बना सकती हैं। शहद एक प्राकृतिक नमी प्रदान करने वाला पदार्थ है, नारियल तेल गहरी नमी प्रदान करता है, और एलोवेरा रूखी स्किन को आराम पहुंचाता है।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच शहद

1 बड़ा चम्मच नारियल तेल

1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल

मास्क बनाने का तरीका–

शहद, नारियल तेल और एलोवेरा जेल को एक साथ मिलाएं।

इस मिश्रण को अपने साफ चेहरे पर लगाएं।

इसे रात भर लगा रहने दें और सुबह गुनगुने पानी से धो लें।

ऑयली स्किन के लिए मास्क

ऑयली स्किन के लिए नींबू, दही व शहद की मदद से ओवरनाइट मास्क बनाएं। नींबू का रस तेल को नियंत्रित करता है, जबकि दही स्किन को हाइड्रेट करती है। शहद जीवाणुरोधी एजेंट की तरह काम करता है।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच नींबू का रस

1 बड़ा चम्मच दही

1 छोटा चम्मच शहद

मास्क बनाने का तरीका–

नींबू का रस, दही और शहद को मिलाकर चिकना पेस्ट बनाएं।

मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं, लेकिन इसे आंखों के आस–पास न लगाएं।

इसे रात भर लगा रहने दें, और सुबह ठंडे पानी से धो लें।

सेंसेटिव स्किन के लिए मास्क

अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो आप ओटमील और शहद की मदद से मास्क बनाएं। ओटमील जलन को शांत करता है, जबकि शहद स्किन को नमी देता है।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच ओटमील (पाउडर में पिसा हुआ)

1 बड़ा चम्मच शहद

1 बड़ा चम्मच कैमोमाइल चाय (ठंडी)

मास्क बनाने का तरीका–

ओटमील, शहद और कैमोमाइल चाय को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें।

चेहरे पर लगाएं और रात भर के लिए छोड़ दें।

सुबह ठंडे पानी से धो लें।

## बच्चे की दूध की बोतल की सफाई में इन 5 बातों का रखें ध्यान, वरना बीमार पड़ सकता है बच्चा

आजकल की वर्किंग महिलाएं अक्सर बच्चों को फॉर्मूला मिल्क पिलाती हैं, खासकर जब वे कामकाजी होती हैं। इसके लिए वे निप्पल वाली बोतल का इस्तेमाल करती हैं। यह बोतल दिखने में तो आकर्षक लगती है, लेकिन अगर इसे सही तरीके से साफ नहीं किया जाए, तो यह बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। कई बार देखा जाता है कि मांएं बोतल को सिर्फ पानी से धोती हैं या फिर हफ्ते में एक–दो बार साबुन से साफ करती हैं, लेकिन यह तरीका बिल्कुल गलत है। इस तरह से साफ की गई बोतल में बैक्टीरिया और कीटाणु पनप सकते हैं, जो बच्चे को बुखार, डायरिया, और पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। अगर आपके घर में भी बच्चा है और वह बोतल से दूध ा पीता है, तो यहां हम आपको बताएंगे कि बच्चे की बोतल को साफ करते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि बच्चे को किसी भी प्रकार की बीमारी से बचाया जा सके।

बच्चे की बोतल धोते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

लखनऊ स्थित बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. तरूण आनंद ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बच्चों की दूध की बोतल को सही तरीके से धोने के बारे में जानकारी दी।

साबुन के पानी से धोएं

डॉ. तरूण के अनुसार, बच्चे को दूध पिलाने के बाद बोतल को तुरंत साबुन और पानी से धोना चाहिए। इससे बोतल पर जमे हुए दूध के अवशेष आसानी से हट जाते हैं। बच्चे की बोतल के अलावा, इसके ढक्कन और निप्पल को भी हर बार दूध पिलाने के बाद धोना जरूरी है। बोतल के सभी हिस्सों को अलग–अलग धोने से गंदगी पूरी तरह से निकल जाती है और बच्चे को हर बार एक साफ बोतल मिलती है, जिससे उसकी सेहत सुरक्षित रहती है।

ब्रश का इस्तेमाल करें

बोतल के किनारों पर दूध के अवशेष और गंदगी न जमें, इसके लिए हमेशा एक खास ब्रश का इस्तेमाल करें। डॉ. तरूण के अनुसार, आजकल बाजार में कई ऐसे ब्रश उपलब्ध ा हैं जो सिर्फ बच्चों की बोतल को साफ करने के लिए होते हैं। यह ब्रश बोतल के कोनों और दरारों तक पहुंचने में मदद करता है, जिससे कीटाणुओं का संपर्क नहीं हो पाता है। सिलिकॉन या प्लास्टिक ब्रश का उपयोग करना सबसे बेहतर होता है।

गर्म पानी में भिगोएं

अगर आपको लगता है कि बच्चे की बोतल पर कुछ अवशेष जमा हो गए हैं और वह साबुन और ब्रश से ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, तो बोतल को गर्म पानी में 10 मिनट तक भिगोएं। गर्म पानी में भिगोने से गंदगी फूल जाती है, जिससे उसे आसानी से साफ किया जा सकता है।

खुली हवा में सुखाएं

कई पेरेंट्स दूध की बोतल धोने के बाद तुरंत उसे फिर से बच्चे को दूध पिलाने के लिए देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत है। डॉ. तरूण का कहना है कि दूध पिलाने से पहले बोतल को स्टेरलाइज करना जरूरी है। बोतल को धोने के बाद उसे खुली हवा में सुखाएं। गीली बोतल में दूध पिलाने से बैक्टीरिया और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए हमेशा बोतल को अच्छे से सूखा लें।

पानी में उबालें

बच्चे की बोतल को स्टेरलाइज करने का सबसे अच्छा तरीका भाप देना है, लेकिन कई घरों में स्टेरलाइजर नहीं होते हैं। ऐसे में आप बच्चे की बोतल को पानी में 2 से 4 मिनट तक उबालकर भी स्टेरलाइज कर सकते हैं। इस तरीके से बोतल में सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं और बोतल पूरी तरह से सुरक्षित हो जाती है। इस तरह से आप अपने बच्चे की दूध की बोतल को साफ करके उसकी सेहत को सुरक्षित रख सकते हैं। सही तरीके से बोतल की सफाई बच्चे को बीमारियों से बचाती है और उसे सेहतमंद रखने में मदद करती है।

## शाम के समय घर मे ना करें ये 5 काम, वरना आ सकती है सुख-समृद्धि में रुकावट

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का बहुत महत्व है। यह शास्त्र हमारे घर, कामकाजी जगह, और दैनिक जीवन के हर पहलू में असर डालता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर समय का अपना महत्व है और हमें समय के अनुसार कुछ चीजों को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि शाम के समय किन पांच चीजों से बचना चाहिए, क्योंकि यह घर में दरिद्रता का कारण बन सकती हैं।

शाम को झाड़ू नहीं लगाना चाहिए

शाम के समय घर में झाड़ू लगाना वास्तु शास्त्र के अनुसार गलत माना जाता है। यह देवी लक्ष्मी को नाराज कर सकता है और घर में दरिद्रता का प्रवेश कर सकता है। इसलिए शाम के समय घर में सफाई करते समय झाड़ू न लगाएं। यह मान्यता है कि शाम के समय झाड़ू लगाने से घर में धन की कमी हो सकती है और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं।

शाम को फल या फूल नहीं तोड़ना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्यास्त के समय फल और फूल तोड़ने से बचना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसके अलावा, यह भी माना जाता है कि देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु के आशीर्वाद से जुड़ा हुआ यह समय होता है, और इस समय यह कार्य करने से उनके आशीर्वाद में कमी आ सकती है।

शाम को उधार देना या लेना नहीं चाहिए

वास्तु शास्त्र में यह भी कहा गया है कि सूर्यास्त के समय पैसे उधार देना या लेना घर में क्लेश और तंगी ला सकता है। यह कार्य रात के समय करना शुभ माना जाता है। अगर आप शाम के समय पैसे उधार लेते या देते हैं तो भविष्य में उधारी चुकता करने में दिक्कत हो सकती है और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं।

तुलसी के पत्ते शाम के समय नहीं तोड़ने चाहिए

तुलसी के पत्ते भगवान विष्णु को प्रिय होते हैं और उन्हें शुभ माना जाता है। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ना मना है। इससे भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं और इसके कारण घर में आर्थिक तंगी और अन्य परेशानियां आ सकती हैं। इसलिए, शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए।

मुख्य द्वार बंद नहीं रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र में यह कहा गया है कि घर का मुख्य द्वार हमेशा खुले रखना चाहिए, खासकर सूर्यास्त के समय। सूर्यास्त के बाद लक्ष्मी माता का घर में प्रवेश मुख्य द्वार से होता है। अगर आप सूर्यास्त के समय घर का मुख्य द्वार बंद रखते हैं, तो लक्ष्मी माता का आगमन रुक सकता है, जिससे घर में धन की कमी हो सकती है।

क्लेश और झगड़े से बचना चाहिए

शाम के समय घर में किसी भी प्रकार का विवाद, क्लेश या झगड़ा नहीं करना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से घर की सुख–शांति भंग होती है और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। घर के माहौल को शांत और सकारात्मक बनाए रखना चाहिए ताकि लक्ष्मी का वास बना रहे और घर में खुशहाली बनी रहे।

किसी को खाली हाथ नहीं भेजना चाहिए

यदि शाम के समय आपके घर पर कोई व्यक्ति कुछ मांगने आए, तो उसे खाली हाथ वापस भेजना नहीं चाहिए। यह वास्तु शास्त्र के अनुसार अशुभ माना जाता है। अगर आप किसी को शाम के समय खाली हाथ भेजते हैं, तो इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसलिए, इस समय किसी को खाली हाथ न भेजें और उनके साथ सहानुभूति दिखाएं। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप शाम के समय अपने घर को और जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भर सकते हैं। वास्तु शास्त्र के इन सरल नियमों को अपनाकर आप अपने घर में सुख–शांति और समृद्धि ला सकते हैं।

## घर पर सुपर सॉफ्ट और फ्लफी भटूरे बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

छुट्टी का दिन हो तो कुछ अच्छा खाने का मन कर ही आता है। अमूमन यह देखने में आता है कि लोग छुट्टी के दिन अपनी पसंदीदा डिश जैसे छोटे भटूरे आदि खाना काफी पसंद करते हैं। यूं तो लोग इसे बाजार से मंगवाकर खाते हैं, लेकिन इन्हें घर पर बनाना भी काफी आसान है। हालांकि, कई लोगों की यह शिकायत होती है कि जब वे घर पर भटूरे बनाते हैं, तो वे उतने सॉफ्ट और फ्लफी नहीं बन पाते हैं। ऐसे में उन्हें समझ ही नहीं आता है कि आखिरकार गड़बड़ कहां हो रही है। हो सकता है कि आपके साथ भी अक्सर यह समस्या होती हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ छोटे–छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप घर पर सॉफ्ट और फ्लफी भटूरे बेहद ही आसानी से बना सकते हैं–

आटा को जरूर करने दें रेस्ट

एक बार जब आप भटूरे का आटा लगा लेते हैं तो उसे रेस्ट जरूर करने दें। आटे को आराम देने से ग्लूटेन को आराम मिलता है, जिससे आटा मुलायम बनता है। जब आटा आराम करता है, तो यीस्ट या बेकिंग सोडा को काम करने का समय मिलता है, जिससे भटूरे में फूलापन आता है। इसके लिए आप आटा गूंधने के बाद, इसे गीले कपड़े या प्लास्टिक रैप से ढक लें ताकि यह सूखा न हो। इसे कमरे के तापमान पर कम से कम 1 से 2 घंटे के लिए आराम करने दें।

गूंधने के लिए गर्म पानी का उपयोग करें

जब भी आप भटूरे का आटा लगाएं, तो उसके लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। गर्म पानी यीस्ट या बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर को सक्रिय करता है। जिससे भटूरे बहुत नरम व फूले हुए बनते हैं। ध्यान रखें कि पानी को गुनगुना रखें, न ज्यादा गर्म और न ज्यादा ठंडा। बहुत गर्म पानी यीस्ट को मार सकता है और ठंडा पानी आटे को अच्छे से फुलाने में कठिनाई पैदा करता है। गूंधते समय धीरे–धीरे गुनगुना पानी आटे में डालें।

दही का उपयोग करें

भटूरे का आटा लगाते समय दही का इस्तेमाल करना भी काफी अच्छा माना जाता है। दही आटे को मुलायम बनाने और नमी देने का काम करता है। इससे आटा मुलायम होता है और भटूरे में अच्छा फूलापन आता है। इसलिए आटा लगाते समय उसमें एक टेबलस्पून दही और घी डालें। दही न केवल नमी देता है, बल्कि आटे को हल्का और मुलायम भी बनाती है।

## संक्षिप्त

### भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध विराम के बाद खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स ने लगाई 1800 की छलांग

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम को लागू करने के बाद सोमवार 12 मई को भारतीय शेयर बाजार खुला है। भारतीय शेयर बाजार जैसे ही सुबह खुला वैसे ही इसमें तेजी देखने को मिली है। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने पर ये तेजी आई है। इस दौरान सेंसेक्स 1,793.73 अंक बढ़कर 81,248.20 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी 553.25 अंक बढ़कर 24,561.25 पर पहुंच गया। भारत–पाकिस्तान युद्धविराम समझौते के बाद पहली बार शेयर बाजार खुला है। शेयर बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश के बीच हुए हालिया संघर्ष के कारण उत्पन्न प्रतिकूल माहौल के बाद भारतीय बाजार में लचीलापन देखने को मिला है। सीमाओं पर स्थिति स्थिर होने के साथ ही निवेशक शेयरों की ओर लौट आए, जिससे मजबूत निवेश प्रवाह के कारण मजबूत तेजी आई। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने एएनआई को बताया, ष्भारतीय वायदा बाजार में 2 प्रतिशत का तेज उछाल देखने को मिल रहा है, क्योंकि भारत–पाक के बीच गतिरोध के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई क्षेत्र में सक्रिय शत्रुता समाप्त होने से हो गई है। भारतीय बाजारों ने इस उथल–पुथल को अच्छी तरह झेला है और आज इनमें तेजी से सुधार होने की उम्मीद है। निफ्टी ऑटो में 2.25 फीसदी की तेजी आई, जबकि निफ्टी आईटी में 2.16 फीसदी की तेजी आई। शुरुआती कारोबार में निफ्टी रियल्टी में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। वैश्विक मोर्चे पर संकेत अनुकूल रहे। अमेरिका और चीन ने सप्ताहांत में जिनेवा में अपनी व्यापार वार्ता को उत्पादक और सकारात्मक बताया, जिससे बाजार का मनोबल और बढ़ा। इस बीच, सोने की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर में तेजी आई। अमेरिकी वायदा कारोबार ने संकेत दिया कि दिन के अंत में वॉल स्ट्रीट में 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त की उम्मीद है।

### जलवायु संरक्षण में भारत की भूमिका अहम, दुनिया ने माना- एशिया का लीडर

सिंगापुर। जलवायु संरक्षण की दिशा में भारत द्वारा किए जा रहे कामों को पूरी दुनिया में मान्यता मिल रही है। एक वैश्विक मंच ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति की जमकर तारीफ की है और कहा कि भारत ऊर्जा परिवर्तन के मामले में एशिया का नेता बनकर उभर रहा है। क्लाइमेट ग्रुप की सीईओ हेलेन क्लार्कसन ने सिंगापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, श्एशिया में ऊर्जा परिवर्तन में भारत की अग्रणी भूमिका है। यह अपने जलवायु लक्ष्यों में लगातार प्रगति कर रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा पर खासा फोकस किया जा रहा है। यह उत्साहजनक है। हेलेन क्लार्कसन ने कहा, श्पिछले कुछ वर्षों में देखी गई प्रगति के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति शानदार है। उन्होंने भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 तक भारत की कुल अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता 220 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा योगदान है। यह कुल नवीकरणनीय ऊर्जा क्षमता का करीब 48 प्रतिशत है। क्लार्कसन ने कहा, एशिया एक ही बार में दो बड़े संकटों – आर्थिक और जलवायु – से निपट सकता है, अगर इसके उद्योग और सरकारें स्वच्छ तकनीक, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित ऊर्जा सुरक्षा और डीकार्बोनाइज्ड आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ आगे बढ़ें। एशिया ही वह जगह है जहां बदलाव की जीत होगी या हार होगी। 8 मई को आयोजित क्लाइमेट ग्रुप एशिया एक्शन समिट में एशिया भर के व्यापारिक नेता और नीति निर्माता एक साथ आए। क्लार्कसन ने कहा कि हमें साहसिक नेतृत्व, अभिनव समाधान, रणनीतिक स्वच्छ निवेश और सरकारों की दीर्घकालिक सोच की जरूरत है।

### भारत ने मालदीव को दी 50 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता, विदेश मंत्री ने जताया आभार

नई दिल्ली। भारत ने 50 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर के माध्यम से मालदीव को वित्तीय सहायता प्रदान की है। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने ट्वीट किया, ष्मैं 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर के माध्यम से मालदीव को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और भारत सरकार के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। यह समय पर की गई सहायता मालदीव और भारत के बीच मित्रता के घनिष्ठ संबंधों को दर्शाती है और आर्थिक लचीलेपन के लिए राजकोषीय सुधारों

को लागू करने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का समर्थन करेगी। मालदीव में भारतीय उच्चायोग के अनुसार, भारत ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को रोलओवर करके मालदीव को वित्तीय सहायता प्रदान की है। मालदीव सरकार के अनुरोध पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मालदीव के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सरकारी ट्रेजरी बिल को एक और वर्ष के लिए सब्सक्राइब किया है। मार्च 2019 से, भारत सरकार एसबीआई ऐसे कई ट्रेजरी बिलों की सदस्यता की सुविधा प्रदान कर रही है और सालाना, ब्याज–मुक्त तरीके से मालदीव सरकार को रोलओवर कर रही है। यह सुविधा मालदीव को आपातकालीन वित्तीय सहायता के रूप में एक अनूठी सरकार–से–सरकार व्यवस्था के तहत दी गई है।

# कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को एक हफ्ते के अंदर दो बड़े झटके लगे हैं। रोहित शर्मा के बाद अब विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में यह बात चल रही थी कि कोहली ने बीसीसीआई को अपने संन्यास के बारे में जानकारी दे दी है, लेकिन बीसीसीआई ने आगामी इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को देखते हुए उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, कोहली ने टेस्ट से संन्यास लेने का ही फैसला किया। भारत के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि बुधवार को नियमित कप्तान रोहित ने भी टेस्ट से संन्यास ले लिया था। एक हफ्ते के अंदर दो दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास से फैंस सदमे में हैं। इसी के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक अध्याय का अंत हो गया। भारत को इंग्लैंड का दौरा अगले महीने करना है। इस दौरान टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी।

कोहली ने अपने पोस्ट में क्या लिखा?

विराट ने अपने पोस्ट में लिखा, श्टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दिया और मुझे ऐसे सबक सिखाए जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे–छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं

हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।श उन्होंने आगे अपनी टेस्ट कैप नंबर '269' लिखा और लिखा 'साइनिंग ऑफ'।

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलेंगे

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। वह पिछले साल टीम इंडिया के टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। कोहली ने कुल मिलाकर 123 टेस्ट खेले और इसकी 210 पारियों में 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। इसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट करियर में कोहली ने कुल 1027 चौके और 30 छक्के लगाए। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 125 मैचों में 48.7 की औसत और 137.05 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए। इसमें एक शतक और 38 अर्धशतक भी शामिल हैं। वनडे में कोहली 302 मैचों में 57.88 की औसत और 93.35 के स्ट्राइक रेट से 14181 रन बना चुके हैं। इसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं।

कोहली तीनों प्रारूप में रह चुके हैं कप्तान

कोहली तीनों प्रारूप में टीम इंडिया की कमान भी संभाल चुके हैं। वह 2014 में धोनी के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार कप्तान बने थे। तब से लेकर 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे तक टेस्ट में कप्तान रहे। वहीं, 2021 में उनसे टी20 और वनडे की कप्तानी छीन ली गई थी। कोहली ने अपना टेस्ट डेब्यू में 20 जून 2011 को सबिना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। वहीं, आखिरी टेस्ट उन्होंने इसी साल सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

कोहली का हाल फिलहाल में खराब प्रदर्शन

कोहली का प्रदर्शन पिछली दो टेस्ट सीरीज में बेहद खराब रहा था और इन दोनों सीरीज में टीम इंडिया को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड ने पिछले साल भारत आकर टीम इंडिया को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप किया था। इस सीरीज में कोहली तीन मैचों की छह पारियों में 15.50 की औसत से 93 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली पांच मैचों की नौ पारियों में 190 रन बना पाए थे। इसमें एक शतक शामिल है। कोहली ने पर्थ में पहले टेस्ट में ही शतक लगाया था। इसके बाद आठ पारियों में वह केवल 90 रन बना सके। कोहली आठ बार आउट हुए और इसमें से सात बार वह ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर छेड़छाड़ करते हुए आउट हुए।

# इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के साथ जाएंगे शार्दुल ठाकुर? सरफराज खान की जगह मिल सकता है मौका

इंडिया–इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से खेली जाएगी और इसके लिए टीम इंडिया का ऐलान 23 मई को किया जा सकता है। क्रिकबज के मुताबिक भारतीय टेस्ट टीम में शार्दुल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है। जबकि सरफराज खान का पत्ता कट सकता है। इसके अलावा भारत ए टीम को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज खेलना है। क्रिकबज के मुताबिक रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने से एक दिन पहले 6 मई को मुंबई के क्रिकेट सेंटर में चयनकर्ताओं की एक बैठक हुई थी और चयनकर्ताओं ने उस दिन भारत ए टीम के चयन को अंतिम रूप दे दिया था। 13 मई को इसकी घोषणा होने की उम्मीद है, जिसमें अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी के लिए प्रमुख उम्मीदवार हैं। हालांकि, इंडिया ए टीम में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। भारत ए को तीन मैच खेलने हैं– दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ और एक सीनियर इंडिया टीम के खिलाफ। नए कप्तान के साथ सीनियर इंडिया टीम का चयन 23 मई को होने की उम्मीद है। भारत ए टीम का चयन करना चयनकर्ताओं के लिए आसान नहीं है, क्योंकि आईपीएल के स्थगित होने से समस्याएं और भी बढ़ गई हैं। भारतीय गैर–आईपीएल खिलाड़ी और उन टीमों के खिलाड़ी शामिल हों जो पहले मैच के लिए आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने की उम्मीद है, और दूसरे–तीसरे मैच के लिए इंग्लैंड में उनके साथ और भी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। अभिमन्यू ईश्वरन के अलावा इंडिया ए की शुरुआती टीम में चयन के लिए तनुष कोटियन, बाबा इंद्रजीत, आकाश दीप, करुण नायर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ध्रुव जुरैल और नितीश रेड्डी शुरू में ए टीम का हिस्सा होंगे और बाद में उन्हें सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम में शामिल होना तय है। इस बारे में कोई पक्की जानकारी नहीं है कि ईशान किशन पर विचार किया जाएगा या नहीं। 2023–24 रणजी ट्रॉफी सीजन के टॉप स्कोरर आंध्र प्रदेश के रिकी भुई के भी इंडिया ए टीम में चुने जाने की संभावना कम है।

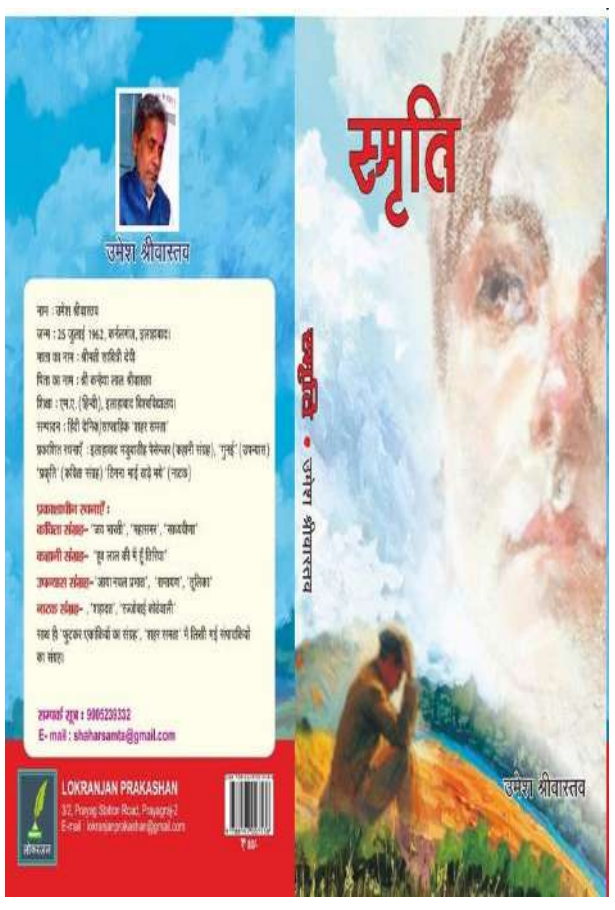


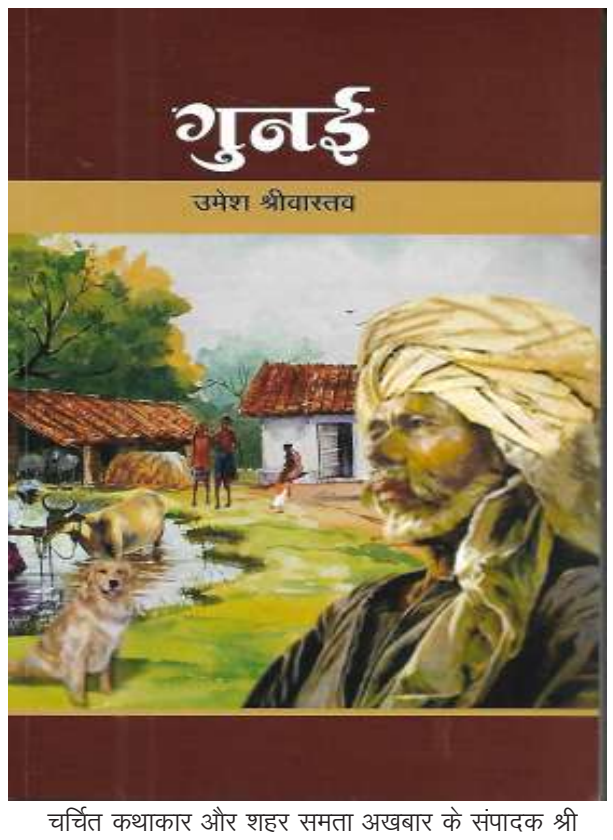


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

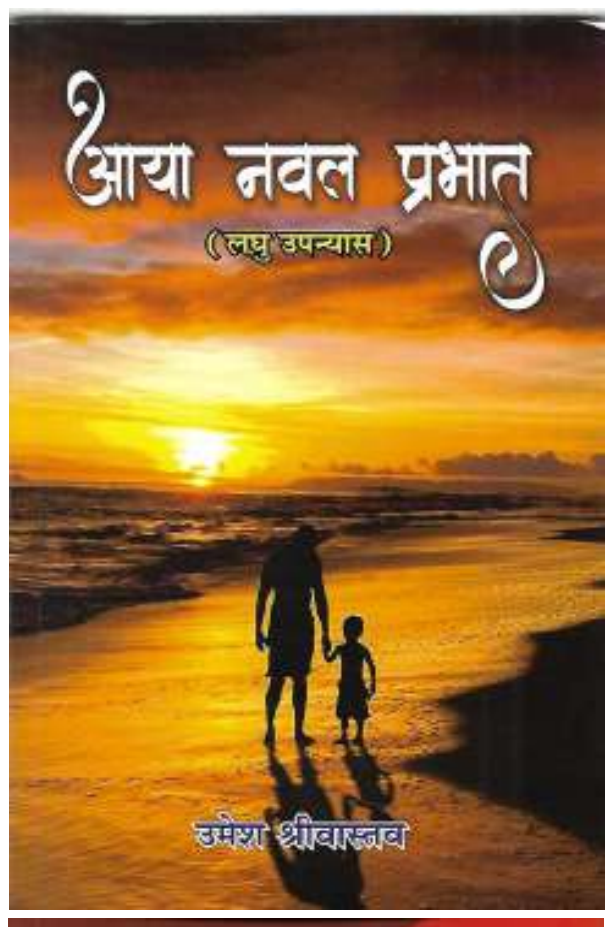


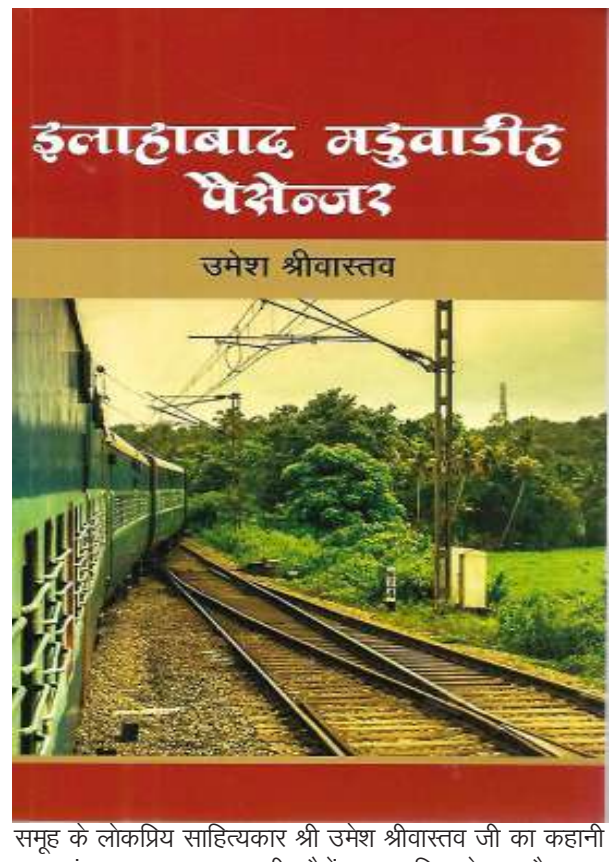


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

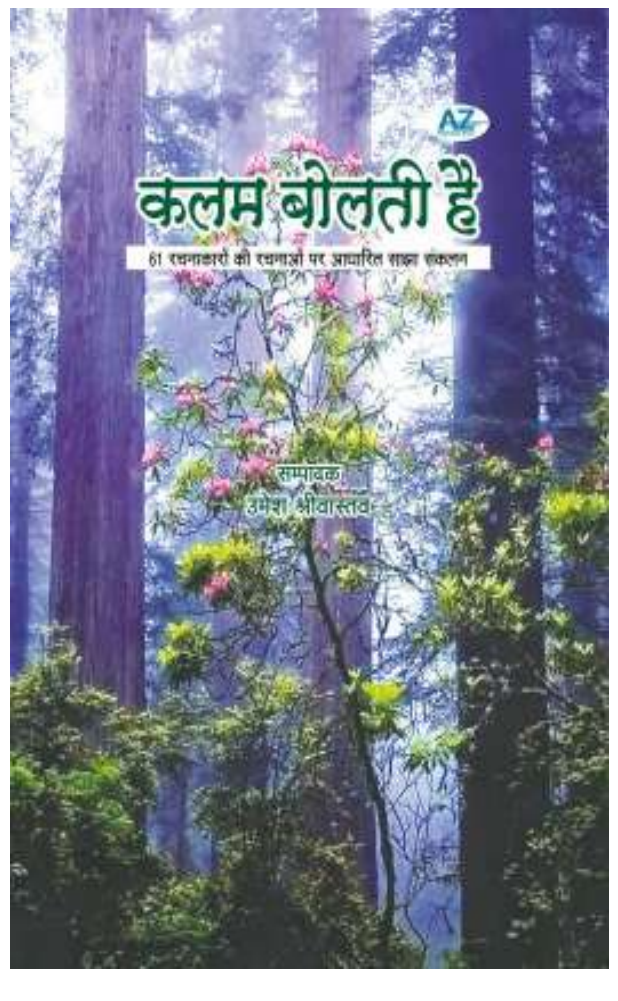


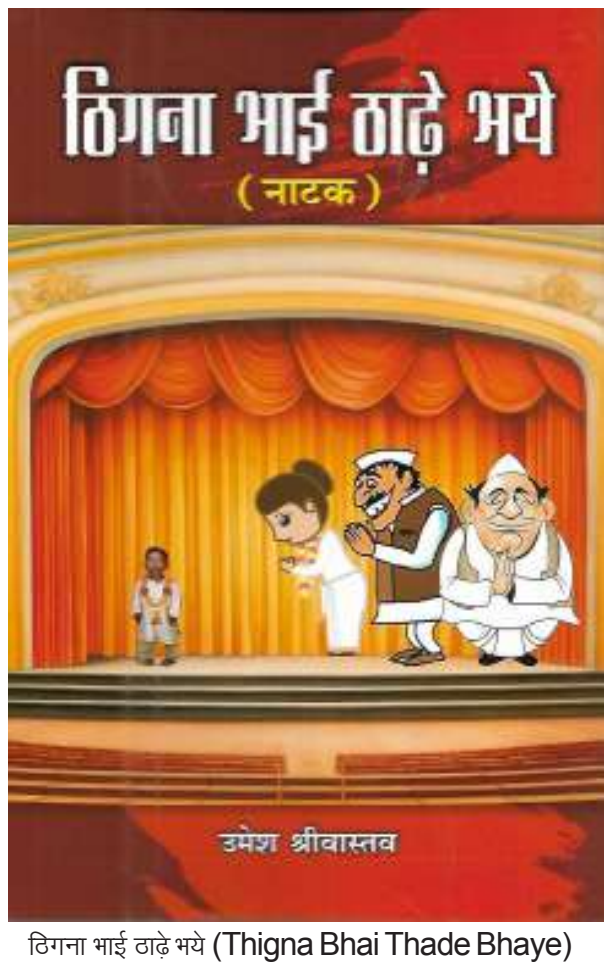


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# फ्रांस ने राफेल पर बयान देकर पाकिस्तान को हिला डाला, झूठ पर शहबाज-मुनीर की लगा दी क्लास

भारत की कूटनीति अब अपना असली रंग दिखा रही है। एक तरफ पाकिस्तान बौखलाया हुआ है तो दूसरी तरफ दुनिया के बड़े बड़े मुल्क खुलकर भारत के समर्थन में उतर चुके हैं। इन देशों ने न सिर्फ भारत का साथ दिया बल्कि पाकिस्ता को कड़ा संदेश भी दिया। जो लोग कह रहे थे कि फ्रांस सोर्स कोड नहीं मिला, उन्हें भी जवाब मिल गया। कोई भी देश किसी को भी सोर्स कोड नहीं देता। अमेरिका तक एफ–35 का कोड नहीं देता। लेकिन इन सब से इतर भारत के साथ डिप्लोमैटिक सपोर्ट और फिर राफेल पर झूठ फैलाने वालों को जवाब दिया गया। फ्रांस ने कह दिया कि हमारे पास कोई जानकारी नहीं कि कोई राफेल गिराया गया है। फ्रांस ने कहा कि भारत का ऑपरेशन आतंक के खिलाफ है और पूरा समर्थन के लायक है। फ्रांस ने ऑपरेश सिंदूर पर भारत का साथ देकर साबित कर दिया कि वो सिर्फ हथियार बेचने वाला नहीं बल्कि भारत का सच्चा सहयोगी है। पाकिस्तान की सेना ने झूठा दावा करते हुए सोशल मीडिया के हवाले से दावा किया था कि उसने भारतीय वायुसेना के पांच विमानों को मार गिराया है, जिसमें तीन फ्रांसीसी निर्मित राफेल भी शामिल हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि पहले भारतीय हवाई हमलों के प्रतिशोध में पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के भीतर से इन विमानों को निशाना बनाया गया। वहीं पाक पीएम ने राफेल को मार गिराए जाने की जानकारी का सोर्स सोशल मीडिया बताया था। भारत और इजरायल का रिश्ता नया नहीं है। लेकिन इस बार इजरायल ने केवल हथियार नहीं दिए बल्कि खुलकर डिप्लोमैटिक स्टैंड भी लिया। इजरायल ने कहा कि हेरोन ड्रोन और बराक 8 जैसे हथियारों का भारत ने प्रभावी इस्तेमाल किया। जिससे पाकिस्तान की कमर टूट गई। पाकिस्तानी मीडिया और वहां की फोर्स भी ये मान रही है कि उसे इजरायली हथियारों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इस्लामाबाद ने फतह–2 बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे भारत के बराक–8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने हरियाणा के सिरसा में रोक दिया। बराक–8 भारत व इजराइल के सहयोग से तैयार लंबी दूरी वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। डीआरडीओ के अनुसार, इसमें 70: टेक्निक भारत की है। बराक– 8 मध्यम दूरी के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, एंटी शिप मिसाइल, ड्रोन के साथ–साथ क्रूज मिसाइलों और अन्य हवाई खतरे को नष्ट करने में सक्षम है। इसकी मारक क्षमता 70 से 100 किमी तक है। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल में अधिक उन्नत खोज की सुविधा और लंबी दूरी तक जाने की क्षमता है।

## संक्षिप्त

### गाजा में अंतिम जीवित अमेरिकी बंधक को संघर्षविराम प्रयासों के तहत रिहा किया जाएगा : हमास

ट्रंप की इजराइल यात्रा की योजना नहीं है। अलेक्जेंडर एक इजराइली–अमेरिकी सैनिक है, जो अमेरिका में पला–बढ़ा। अलेक्जेंडर को सात अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के दौरान बंधक बनाया गया था। हमास ने कहा कि गाजा में अंतिम जीवित अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर को

संघर्षविराम स्थापित करने, क्षेत्र में सीमा चौकियों को पुनः खोलने और खाद्य सहायता की आपूर्ति फिर से शुरू करने के प्रयासों के तहत रिहा किया जाएगा। चरमपंथी समूह के बयान में यह नहीं बताया गया कि अमेरिकी बंधक की रिहाई कब होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस सप्ताह होने वाले पश्चिम एशिया दौरे से ठीक पहले रविवार रात को यह घोषणा की गई। ट्रंप की इजराइल यात्रा की योजना नहीं है। अलेक्जेंडर एक इजराइली–अमेरिकी सैनिक है, जो अमेरिका में पला–बढ़ा। अलेक्जेंडर को सात अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के दौरान बंधक बनाया गया था।

### अमेरिका के मिल्वौकी में इमारत में आग लगने से चार लोगों की मौत, चार अन्य घायल

अमेरिका के मिल्वौकी में एक अपार्टमेंट में रविवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मातृ दिवस के दिन सुबह आठ बजे से पहले लगी इस आग में कई अन्य लोग मामूली रूप से घायल

हुए हैं और उनका उपचार किया गया। मिल्वौकी अग्निशमन प्रमुख आरोन लिप्स्की ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आग के कारण 85 फ्लैट वाली इमारत बुरी तरह से जल गई और यहां से करीब 200 लोगों को विस्थापित किए जाने का अनुमान है। लिप्स्की ने बताया कि इस घटना में करीब 30 लोगों को बचाया गया है और आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

### जेलेंस्की को रूस से युद्धविराम की उम्मीद, बोले-'मैं तुर्किये में पुतिन का इंतजार करूंगा'

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें सोमवार से रूस के साथ पूर्ण और अस्थायी युद्धविराम की उम्मीद है और वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ''व्यक्तिगत तौर पर'' बातचीत करने के लिए तुर्किये जाएंगे। उनका यह बयान तुर्किये में 15 मई को सीधी बातचीत करने के रूस के हालिया प्रस्ताव को स्वीकारने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव बनाए जाने के बाद आया है। यूक्रेन ने रूस से मांग की थी कि वह वार्ता से पहले सोमवार से 30 दिवसीय युद्धविराम को बिना शर्त स्वीकार करे। इससे पहले, रविवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के

सामने 15 मई को तुर्किये के इस्तांबुल शहर में बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करने की पेशकश की, जिसका जेलेंस्की ने स्वागत किया। हालांकि, जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि रूस को पहले युद्धविराम करना होगा। पुतिन ने कहा कि वार्ताओं का उद्देश्य "संघर्ष की मूल जड़ को खत्म करना" और "दीर्घकालिक व टिकाऊ शांति कायम करने पर पहुंचना" होगा। पुतिन ने एक संबोधन में कहा, "हम तुरन्त वार्ता शुरू करना चाहेंगे, अगले बृहस्पतिवार, 15 मई को, इस्तांबुल में, जहां पहले वार्ताएं आयोजित की गई थीं और जहां उन्हें बाधित किया गया था।" उन्होंने कहा कि बातचीत "बिना किसी पूर्व शर्त" के होनी चाहिए।

### बुर्किना फासो में सेना ने की 100 से अधिक नागरिकों की हत्या, ह्यूमन राइट्स वॉच का दावा

नई दिल्ली। पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में मार्च महीने में सरकारी बलों द्वारा 100 से अधिक नागरिकों की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया है। यह जानकारी मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच (HRW) ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह नरसंहार सोलेंजो कस्बे के पास हुआ और इसमें शामिल हमलावर बुर्किना फासो की विशेष सैन्य बल और सरकार समर्थक वॉलंटियर्स फॉर द डिफेंस ऑफ द होमलैंड (VDP) नामक मिलिशिया ग्रुप के सदस्य थे। मारे गए सभी लोग फुलानी समुदाय से थे, जो एक पशुपालक जातीय समूह है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# गाजा में इजराइली हमलों में 15 लोगों की मौत, मृतकों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे

गाजा में बीती रात और रविवार को हुए इजराइली हमलों में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नासिर अस्पताल के अनुसार, दो हमले दक्षिणी शहर खान यूनुस में तंबुओं पर हुए, जिनमें दो–दो बच्चों और उनके माताओं–पिताओं की मौत हो गई। अस्पतालों और गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा शहर के एक इलाके में एक व्यक्ति और उसका बच्चा भी मारा गया। इसके अलावा, अन्य स्थानों पर सात और लोग मारे गए। इजराइली सेना ने केवल आतंकियों को निशाना बनाने और आम लोगों को नुकसान से बचने का प्रयास करने की बात कही है। उसने 19 महीने से जारी युद्ध में आम लोगों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। उसने कहा है कि आतंकवादी घनी आबादी वाले इलाकों में छिपे हुए हैं। ताजा हमलों के बारे में इजराइल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इजराइल ने 10 सप्ताह से अधिक समय से गाजा में भोजन और दवाओं समेत सभी तरह की चीजों की आपूर्ति पर पूरी तरह पाबंदी लगा रखी है। इजराइल इसे बंधकों की रिहाई के लिए हमास पर दबाव बनाने की रणनीति बता रहा है। इजराइल ने युद्धविराम को तोड़कर मार्च में दोबारा हमले शुरू किए थे। युद्धविराम लागू होने के बाद इजराइल के 30 से अधिक बंधकों की रिहाई हुई थी। संयुक्त राष्ट्र और सहायता समूहों का कहना है कि खाने–पीने की चीजों की किल्लत होती जा रही है और बड़े पैमाने पर लोग भूख के शिकार हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति इस सप्ताह पश्चिम एशिया क्षेत्र की यात्रा के तहत सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा करेंगे। हालांकि वह इजराइल नहीं जाएंगे। ट्रंप प्रशासन इजराइल को पूर्ण समर्थन देने की बात कहता रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा करेंगे, लेकिन इस यात्रा में इजराइल का दौरा नहीं करेंगे।

# पाकिस्तान में लगे भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.6 रही तीव्रता; जानमाल का नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली / इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.6 मापी गई। भूकंप दोपहर 1 बजकर 26 मिनट और 32 सेकंड (भारतीय समयानुसार) पर दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था। इसका उपकेंद्र 29.12 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 67.26 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था, जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर

हालांकि, अब तक किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में लोगों में दहशत का माहौल देखा गया और कई लोग एहतियातन अपने घरों से बाहर निकल आए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि स्थिति सामान्य है, लेकिन आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटके) की संभावना बनी रहती है। इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

बलूचिस्तान में आए पिछले भूकंप

बलूचिस्तान क्षेत्र इससे पहले भी कई बार भूकंप का केंद्र बन चुका है।

जून 2022 में इसी क्षेत्र में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कई घरों को नुकसान पहुंचा था।

सबसे विनाशकारी भूकंप अक्टूबर 2005 में आया था, जब उत्तरी पाकिस्तान में 7.6 तीव्रता के भूकंप ने हजारों लोगों की जान ली थी।

भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है पाकिस्तान के कई क्षेत्र

विशेषज्ञों के मुताबिक, 4.6 तीव्रता का भूकंप हल्के से मध्यम श्रेणी में आता है और आमतौर पर इससे बड़े पैमाने पर तबाही की आशंका कम होती है। फिर भी, सतह के करीब (10 किमी गहराई) होने के कारण झटके ज्यादा महसूस किए जा सकते हैं। बता दें कि, पाकिस्तान और उसके आसपास का क्षेत्र भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि यह इलाका इंडो–यूरोशियन और अरबियन प्लेट्स की टकराहट के जोन में आता है।

भूकंप क्यों आता है?

भूकंप पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेट्स के आपस में टकराने या खिसकने की वजह से आता है। पाकिस्तान और उसके आस–पास का इलाका भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि यह इंडो–यूरोशियन और अरबियन प्लेट्स के बीच स्थित है। जब ये प्लेटें एक–दूसरे पर दबाव डालती हैं तो ऊर्जा निकलती है, जो भूकंप के रूप में महसूस होती है।

# ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ताकत और आत्मविश्वास दिखी, अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ ने की तारीफ

वॉशिंगटन। अमेरिका के मशहूर विदेश नीति विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई श्ऑपरेशन सिंदूरश की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय नेतृत्व ने मजबूती, आत्मविश्वास और ताकत के साथ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में जो आतंकवादी हमला हुआ, वह पहले से अलग और बेहद खौफनाक था। इसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई, जिनमें से अधिकतर हिंदू थे। उन्होंने कहा, श्इस हमले का भारत पर बहुत गहरा और दर्दनाक असर पड़ा, जो पहले की घटनाओं में नहीं देखा गया था। यही वजह रही कि भारत सरकार और जनता दोनों ने इस बार मजबूत और करारा जवाब देने की मांग की। उन्होंने बताया कि भारत की तरफ से पाकिस्तान में की गई हवाई हमले इतने जबरदस्त थे, जितने 1971 के युद्ध के बाद कभी नहीं देखे गए। कुगेलमैन ने कहा, श्यह एक बड़ा फर्क है और यही कारण है कि वॉशिंगटन, लंदन, यूरोपीय यूनियन और खाड़ी देशों की राजधानियों में भी इस संकट को लेकर काफी चिंता थी।श उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना करते हुए कहा कि भारत की मोदी सरकार ने 2016, 2019 और अब इस बार भी एक जैसी रणनीति अपनाई है – यानी तुरंत और सख्ती से पलटवार करना, ताकत और आत्मविश्वास दिखाना।

क्या है ऑपरेशन सिंदूर?

ऑपरेशन सिंदूर 7 मई को शुरू किया गया था, जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंक के ठिकानों पर जोरदार हमला किया। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना के तीनों अंग– थलसेना, वायुसेना और नौसेना – ने मिलकर कार्रवाई की। रविवार को दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन के नतीजों की जानकारी दी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया और पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह कर दिए गए।

### डोनाल्ड ट्रंप को कतर की ओर से गिफ्ट में मिलेगा लग्जरी जेट, 400 मिलियन डॉलर है किमत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह कतर के दौरे पर रहेंगे। इस बीच चर्चा हो रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कतर के शासक परिवार की ओर से बेहद महंगा और शानदार गिफ्ट मिल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति को गिफ्ट में लग्जरी बोइंग 747–8 जंबो जेट दिया जा सकता है। ये लग्जरी बोइंग 747–8 जंबो जेट का इस्तेमाल डोनाल्ड ट्रंप अपने आधिकारिक एयरफोर्स विमान वन की जगह करेंगे। कतर सरकार ने बताया है कि विमान के हस्तांतरण को लेकर चर्चा हो रही है। लग्जरी बोइंग 747–8 जंबो जेट को गिफ्ट के तौर पर दिए जाने की खबर से कतर सरकार ने इंकार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जनवरी 2029 तक अपने पद पर रहने वाले है। अपना पद छोड़ने से पहले तक कतर के जंबो जेट विमान का वो इस्तेमाल करेंगे जो कि राष्ट्रपति विमान के तौर पर होगा। इसके बाद ये जंबो जेट उस फाउंडेशन को सौंपा जाएगा को अबतक राष्ट्रपति पुस्तकालय की देखरेख करता है। संभावना जताई गई है कि ट्रंप की कतर यात्रा के दौरान इस गिफ्ट को दिए जाने की घोषणा हो सकती है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा कर सकते है। उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान ट्रंप की ये पहली विदेश यात्रा होगी। डोनाल्ड ट्रंप को जेट गिफ्ट किए जाने की अफवाह के बीच कतर मीडिया का बयान भी सामने आया है। कतर मीडिया अताशे अली अल–अंसारी ने ने खबरों का खंडन किया है। इस संबंध में बयान जारी कहा स्पष्ट किया गया कि विमान के संभावित हस्तांतरण को लेकर क्षा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग चर्चा कर रहा है। इस मामले में कानूनी विभागों द्वारा समीक्षा की जानी है। अबतक कोई फाइनल फैसला नहीं लिया गया है।

जानें क्या ट्रंप स्वीकार कर सकते हैं गिफ्ट या नहीं

अमेरिकी संविधान की मानें तो सरकारी पद पर आसनी व्यक्ति अमेरिकी कांग्रेस की सहमति के बिना किसी राजा, राजकुमार या विदेशी राज्य से वेतन, गिफ्ट, पद या उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है। अमेरिकी संविधान का इमोल्युमेंट्स क्लॉज ऐसा करने से रोकता है। अमेरिकी लॉ विशेषज्ञ ने मीडिया को बताया कि डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वो जांच से बच सकते हैं मगर ये हैरान करने वाला कदम है।

### पोप ने की जेलों में बंद पत्रकारों की रिहाई की अपील, कहा– अभिव्यक्ति की आजादी अनमोल तोहफा

वेटिकन सिटी। पोप लियो 14वें ने सोमवार को दुनियाभर में जेलों में बंद पत्रकारों की रिहाई की अपील की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति और प्रेस की आजादी एक अनमोल तोहफा है। उन्होंने यह बात बात उस समय कही, जब वह रोम में करीब 6,000 पत्रकारों में से कुछ से मिले।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।